श्रमसाधना

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़ें

shramsadhnagwl@gmai.com
श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति
www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन
RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 53 ग्वालियर, बुधवार 23 सितंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

140 विधानसभा क्षेत्रों में बनेंगे मुख्यमंत्री स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिंचाई परियोजनाओं के लिए 4,967 करोड़ से अधिक स्वीकृत

13,790 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों को कैबिनेट की मंजूरी

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश में बुनियादी ढांचे, कृषि विस्तार और प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण को गति देने के लिए 13 हजार 790 करोड़ रुपए से अधिक के वित्तीय प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में खेल, किसान, युवा, न्यायिक व्यवस्था और आम नागरिकों से जुड़े कई निर्णय लिए गए।

प्रदेश के 140 विधानसभा क्षेत्रों में खेल परिसरों के निर्माण और संचालन के लिए 962 करोड़ 50 लाख रुपए की सैद्धांतिक सहमति दी गई। इनका नाम मुख्यमंत्री स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स होगा। मुख्य मैदान के बीच स्थायी हेलीपैड बनाने का भी निर्णय लिया गया है।

सिंचाई क्षेत्र में तीन बड़ी परियोजनाओं की निरंतरता के लिए 4,967 करोड़ 44 लाख रुपए मंजूर किए गए। इनमें नीमच जिले की जावद-नीमच दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 4,197 करोड़ 58 लाख, राजगढ़ की सुठालिया सिंचाई परियोजना के लिए 262 करोड़ 63 लाख और पार्वती रिन्सी सिंचाई परियोजना के लिए 507 करोड़ 23 लाख रुपए शामिल हैं। इन परियोजनाओं से 88 हजार हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित होगी।

प्रदेश की भविष्य की बिजली जरूरतों को सुरक्षित करने के लिए 2800 मेगावाट ताप विद्युत क्रय करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। इसके लिए प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

न्यायिक व्यवस्था के लिए ग्राम न्यायालय योजना की निरंतरता के लिए 554 करोड़ 61 लाख रुपए, मध्यप्रदेश विधिक सहायता तथा विधिक सलाह बोर्ड के लिए 524 करोड़, परिवार न्यायालयों के संचालन के लिए 1 हजार करोड़ और उच्च न्यायालय (भारित) की निरंतरता के लिए 2,015 करोड़ 60 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। ये योजनाएं 16वें वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक जारी रहेंगी।

वाणिज्यिक कर विभाग की छह योजनाओं को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने के लिए 969 करोड़ 87 लाख रुपए की मंजूरी दी गई। इसमें ई-रजिस्ट्री, स्टाम्प बिक्री, भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण और जिला व उप पंजीयक कार्यालय भवनों से संबंधित योजनाएं शामिल हैं।

शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर में प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक और सहायक प्राध्यापक के कुल 13 नए पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है। इससे बीडीएस की सीटें 63 से बढ़ाकर 100 और एमडीएस की सीटें 35 से बढ़ाकर 44 करने का लक्ष्य है।

इसके अलावा नवगठित मैहर और पांढुर्णा जिलों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जिला कार्यालय तथा सिंगरौली के चितरंगी में अनुविभागीय कार्यालय स्थापित करने के लिए कुल 18 नए स्थायी पदों को मंजूरी दी गई।

स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़-हरियाणा

भाजपा ने राज्यों के नए प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए

नई दिल्ली जीएनएस

भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए प्रभारियों और सह-प्रभारियों की नियुक्ति की। पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से जारी सूची के अनुसार स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा का प्रभारी बनाया गया है। राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा ने पांच नेताओं को दो-दो राज्यों की जिम्मेदारी दी है। हरीश द्विवेदी को बिहार और कर्नाटक, स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा, सतीश पूनिया को जम्मू-कश्मीर और पंजाब, राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड तथा सुनील बंसल को तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का प्रभारी बनाया गया है। महाराष्ट्र में बैजयंत जय पांडा और अमित मालवीय को प्रभारी नियुक्त किया गया है। सूची में उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के प्रभारियों के नाम भी शामिल हैं। बिहार चुनाव में पार्टी के प्रभारी रहे विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई है। पंजाब का प्रभार सतीश पूनिया और गुजरात की जिम्मेदारी तरुण चुग को सौंपी गई है। राजस्थान के लिए संजय भाटिया और मध्यप्रदेश के लिए बिप्लब देव को प्रभारी बनाए जाने का उल्लेख किए गए स्रोत के शीर्षक में है। हालांकि उपलब्ध समाचार सामग्री के मुख्य विवरण में इन दोनों नियुक्तियों की अलग से जानकारी नहीं दी गई है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल बोले- निर्भीक पत्रकारिता और राष्ट्रसेवा के लिए उनका जीवन प्रेरणादायी

रामगोपाल माहेश्वरी के नाम पर मार्ग की नामपट्टिका का अनावरण

भोपाल जीएनएस

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल में रामगोपाल माहेश्वरी के नाम पर मार्ग की नामपट्टिका का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने माहेश्वरी के राष्ट्रसेवा और पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि कुछ व्यक्तित्व केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए होते हैं। उनके विचार और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को दिशा देते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय माहेश्वरी ने स्वतंत्रता से पहले प्रेस की स्थापना की थी। उस दौर में देश स्वतंत्रता आंदोलन के कठिन दौर से गुजर रहा था। उन्होंने राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर निर्भीक पत्रकारिता को आगे बढ़ाया और भारत छोड़ो आंदोलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जीवन राष्ट्रहित, सामाजिक सरोकार और पत्रकारिता के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के सजग प्रहरी हैं। जनहित से जुड़े विषयों को प्रमुखता से सामने लाना और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सजग एवं निर्भीक भूमिका निभाना पत्रकारिता का महत्वपूर्ण दायित्व है। स्वर्गीय माहेश्वरी ने अपने कार्यों से इस दायित्व को मजबूत किया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्ग का नाम स्वर्गीय माहेश्वरी के नाम पर होना उनके योगदान के प्रति सम्मान का प्रतीक है। इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को उनके नाम और योगदान से परिचित होने का अवसर मिलेगा तथा उनके आदर्शों और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का स्मरण होगा।

उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना निहित है। भारत शांति, मानव कल्याण और विश्व बंधुत्व की भावना के साथ विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है। राष्ट्र निर्माण में पत्रकारिता सहित समाज के प्रत्येक क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे व्यक्तित्वों का स्मरण राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री मुकेश नायक, नवभारत के एमडी सुमित माहेश्वरी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

सुबह 8 बजे भगवान भोलेनाथ की पूजा के बाद शुरू होगी प्रक्रिया, मतदान से मतगणना तक बड़ी स्क्रीन पर होगा सीधा प्रसारण

व्यापार समिति का निर्वाचन 24 सितंबर को

ग्वालियर जीएनएस

व्यापार समिति का निर्वाचन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 सितंबर 2026 को कराया जाएगा। निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। निर्वाचन अधिकारी कृष्णगोपाल अग्रवाल तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी गोविन्द अग्रवाल एवं ओमप्रकाश गुप्ता ने संयुक्त रूप से बताया कि निर्वाचन दिवस पर सुबह 8 बजे सदाव्रत बगिया में विराजमान भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई जाएगी। चंद्रशेखर पंडित द्वारा निर्वाचन अधिकारी और सभी प्रत्याशियों की मौजूदगी में पूजा संपन्न कराई जाएगी।

पूजा-अर्चना के बाद सुबह 9 बजे से मतदान प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगी। मतदान से पहले सभी प्रत्याशियों को खाली और वैध मतदान पेटियों की जांच कराई जाएगी। प्रत्याशियों की मौजूदगी में पेटियों पर ताले लगाए जाएंगे और सील लगाकर निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक सहित यातायात पुलिस और संबंधित थाना प्रभारियों को संस्था की ओर से निवेदन पत्र सौंपा गया है। मतदान शुरू होने से लेकर मतगणना पूरी होने तक पुलिस प्रशासन मुस्तैदी से तैनात रहेगा, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। उन्होंने बताया कि मतदान से लेकर मतगणना तक पूरी निर्वाचन प्रक्रिया का बड़ी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। इससे प्रत्याशियों और उपस्थित लोगों को निर्वाचन की प्रत्येक प्रक्रिया की जानकारी पारदर्शी तरीके से मिल सकेगी। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार व्यापार समिति के निर्वाचन की सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 सितंबर को निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए विकासखंड स्तर पर 23 सितम्बर से आयोजित होंगे मूल्यांकन शिविर

कक्षा 1 से 8 तक के अध्ययनरत एवं आउट ऑफ स्कूल बच्चों की होगी चिकित्सकीय पहचान और मूल्यांकन

शिवपुरी, जीएनएस। कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार शिवपुरी जिले में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत एवं आउट ऑफ स्कूल विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के औपचारिक चिकित्सकीय पहचान एवं मूल्यांकन शिविरों का आयोजन 23 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2026 तक समस्त विकासखंडों में किया जा रहा है। इसके साथ ही शिविर स्थलों पर ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषीश्वर ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से प्राप्त निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में जिला शिक्षा केंद्र शिवपुरी द्वारा जिले के सभी विकासखंडों के निर्धारित स्थलों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों के सुचारू संचालन हेतु मेडिकल बोर्ड, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम तथा ब्लड डोनेशन कैंप के लिए चिकित्सकीय व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

इन स्थानों पर आयोजित होंगे विकासखंडवार मूल्यांकन शिविर

जिले में आयोजित होने वाले चिकित्सकीय मूल्यांकन शिविरों के सफल संचालन हेतु स्थल निर्धारित किए गए है। जिसके तहत 23 सितम्बर को पीएम श्री माध्यमिक विद्यालय नं. 1 खनियाधाना, 24 सितम्बर को सरस्वती शिशु मंदिर (हाईवे के सामने) करैरा, 25 सितम्बर को बीआरसीसी कार्यालय नरवर, 26 सितम्बर को शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्र. 1 पिछोर, 28 सितम्बर को शासकीय मॉडल स्कूल बदरवास, 29 सितम्बर को बीआरसीसी कार्यालय पोहरी, 30 सितम्बर को बीआरसीसी कार्यालय कोलारस, 01 अक्टूबर 2026 को बीआरसीसी कार्यालय शिवपुरी शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविर में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सटीक जाँच एवं मूल्यांकन के लिए जिला एवं विकासखंड स्तर के चार मुख्य चिकित्सा विशेषज्ञों का दल मौके पर तैनात रहेगा।

हितग्राहियों से शिविर का लाभ उठाने की अपील

जिला शिक्षा केंद्र शिवपुरी द्वारा सर्व संबंधितों एवं अभिभावकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथियों पर अपने विकासखंड के शिविर स्थल पर बच्चों को लाकर चिकित्सकीय मूल्यांकन एवं शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने थाना सिविल लाईन की बागडोर तेजतर्रार एवं व्यवहार कुशल थानाप्रभारी के रूप में रघुराज सिंह को सौपी

मुज़फ्फरनगर। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने थाना सिविल लाईन की बागडोर तेजतर्रार एवं व्यवहार कुशल थानाप्रभारी के रूप में रघुराज सिंह को तैनाती दी है।उल्लेखनीय है कि इंस्पेक्टर रघुराज सिंह पूर्व में आगरा,मेरठ व अन्य जनपदों में बतौर थानाप्रभारी रहते हुए जनता में अपनी छवि बेहत्तर बनाने में सफल रहें तो वहीं अपराधियों में भी इनका जबरदस्त डंका बजा तथा सभी थाना क्षेत्रो की जनता उनके काम से प्रभावित होकर काफी लगाव रखती रही है तथा उन्हें सहयोग भी करती थी।थाना सिविल लाईन थानाप्रभारी रघुराज सिंह का अब तक का कार्यकाल पूरी तरह निर्विवाद और सराहनीय रहा है। और अब रघुराज सिंह को महत्वपूर्ण थाना सिविल लाईन थाने जैसे बड़े थाने की कमान कप्तान संजय कुमार वर्मा के द्वारा इनपर विश्वास जताते हुए सौंपी है और उनकी आशा एवं उम्मीद पर खरे भी उतरते नजर आएंगे तथा यहा पर भी सभी को अपनी कार्यशैली से अभिभूत करेगें।सिविल लाईन थाने की कमान संभालने के बाद उन्होंने क्षेत्र में यह स्पष्ठ कर दिया है कि वह किसी भी कीमत पर अपराधियों को

बक्शे गें नही तथा उनका कहना है कि जो अपराध करते हैं वह यह बात अच्छी तरह जान ले कि वह या तो अपराध छोड दें तौबा कर ले अन्यथा उनका इलाज उसी शैली में किया जाएगा तथा थाना सिविल लाईन की जनता का सहयोग भी अपराधियों के खात्मे के लिया जायेगा। इसीलिए अपराध उन्मूलन अभियान को तेज गति के साथ चलाया जाएगा तथा वहीं अपने अधीनस्थों की मीटिंग लेकर उन्हें मार्गदर्शन करते हुए कहा है कि एक टीम वर्क भावना के साथ सभी मिलकर काम करें और अपराधियों पर कहर बनकर टूटे तथा आमजन के साथ अच्छा व्यवहार करें और पीडित के साथ सलीके से पेश आएं।सिविल लाइन थानाप्रभारी रघुराज सिंह किसी भी काम को बड़ी लगन निष्ठा एवं मेहनत के साथ करते है तथा इनका प्रयास होता है कि पुलिस पब्लिक रिलेशन की प्रगाढ़ता के चलते अपराधियों तक आसानी से पहुंचा जा सके और उन्हें जेल की सीखचों के पीछे सही जगह भेजा जा सके तथा क्षेत्र में अमन चौन एवं शांति का माहौल कायम करने के साथ सुद्रढ़ कानून व्यवस्था उनकी प्राथमिकता रही है तथा क्षेत्र से सट्टा जुआ नशा गोकशी जैसे अपराधों के खिलाफ और सख्त अभियान चलाकर इनको पूरी तरीके से खत्म किया जाएगा और जनता द्वारा दी गई छोटी-छोटी सूचनाओं को संग्रह करके उन पर बारीकी के साथ काम भी किया जाएगा तथा अपराधियों को उन्हीं के अंदाज में कड़ा जवाब दिया जाएगा। कुल मिलाकर रघुराज सिंह जहां भी रहते हैं अपने जलवे बिखेरे रहते हैं और आम जनता के दिल में अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं।

पंचायतों के उप निर्वाचन-2026 : मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व से शराब की बिक्री पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

शिवपुरी, जीएनएस। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष-2026 (पूर्वार्द्ध) हेतु घोषित कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने हेतु निर्वाचन वाले क्षेत्रों में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग निंगवाल ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार 29 सितम्बर को मतदान एवं मतगणना का कार्य निर्धारित है, जिसके दृष्टिगत संबंधित क्षेत्रों में मतदान समाप्त होने के नियत समय से 48 घंटे पूर्व से शराब का क्रय-विक्रय पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि किसी भी ग्राम पंचायत के सरपंच या पंच पद के उप निर्वाचन की स्थिति में संबंधित पूरी ग्राम पंचायत की भौगोलिक सीमा में स्थित सभी शराब दुकानें मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व से बंद रहेंगी। जनपद या जिला पंचायत सदस्य निर्वाचन के लिए संबंधित निर्वाचन क्षेत्र (वार्ड/क्षेत्र) के अंतर्गत आने वाली प्रत्येक ग्राम पंचायत की भौगोलिक सीमा की परिधि में स्थित शराब दुकानें बंद रखी जाएंगी। जिन ग्राम पंचायतों में आम निर्वाचन/उपचुनाव संपन्न होना है, उन ग्राम पंचायतों की सीमा से 5 किलोमीटर की परिधि में आने वाली समस्त शराब दुकानें भी निर्धारित अवधि हेतु पूर्णतः बंद रखी जाएंगी।

भाजपा नेता मंगेश पोतनीस को मातृ शोक

ग्वालियर। भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री, पूर्व महापौर एवं पूर्व विधायक स्व श्री भाऊसाहब पोतनीस जी अनुज वधु एवं भाजपा नेता एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्री मंगेश पोतनीस जी की मां श्रीमती कुंदा अरविंद पोतनीस जी 88 का निधन गत दिवस हो गया। वे कुछ समय से अस्वस्थ थी। उनकी अंतिम यात्रा आज निज निवास जीवाजी गंज से रवाना होकर महाराष्ट्रीयन मुक्तिधाम लक्ष्मीगंज में पहुंची। उनके पुत्र श्री मंगेश पोतनीस ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, भाजपा जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति, अजित बरैया, बसंत कुंटे, नरेंद्र कुंटे, मधुकर खंडालकर, हेमंत खेडकर, मोहन विटवेकर, रवि राखे, डॉ सुनील सोमनी सहित वरिष्ठ समाजसेवी एवं गणमान्य लोग मौजूद थे।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 129 आमजनों की समस्याओं की हुई सुनवाई

ग्वालियर, जीएनएस। कलेक्ट्रेट में हुई जन-सुनवाई में इस बार 129 आमजनों की समस्यायें सुनी गईं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद व श्री अनिल बनवारिया सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने एक ङ्क एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की।

मंगलवार को हुई कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पुलिस इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए गए हैं। नगर निगम क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने की हिदायत भी नगर निगम के अधिकारियों को दी गई। जनसुनवाई में मदद की आस में पहुँचे जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम भी कराया गया। जन-सुनवाई में कुल 129 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 71 आवेदन दर्ज किए गए। साथ ही शेष 58 आवेदन विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में निराकृत करने के लिये आवश्यक टीप के साथ दिए गए।

ग्राम पचावली में किण्वित जैविक खाद एवं संतुलित पोषण प्रबंधन पर किसान गोष्ठी आयोजित

200 से अधिक किसानों को वैज्ञानिकों ने दिए मृदा स्वास्थ्य संवर्धन, प्राकृतिक खेती एवं बीज उत्पादन के तकनीकी सुझाव

शिवपुरी, जीएनएस। सस्य विज्ञान संभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली द्वारा भारत में प्रमुख फसल प्रणालियों की उत्पादकता को स्थायी रूप से बढ़ाने एवं पर्यावरणीय पदचिह्नों को कम करने हेतु किण्वित जैविक खादों का मूल्यांकन, प्रचार-प्रसार एवं विस्तार परियोजना के अंतर्गत जिले के ग्राम पचावली में गतदिवस किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह परियोजना मारुति सुजुकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के आर्थिक सहयोग से संचालित की जा रही है।

परियोजना के प्रधान अन्वेषक एवं सस्य विज्ञान संभाग के अध्यक्ष डॉ. संजय सिंह राठौर के मार्गदर्शन में आयोजित इस गोष्ठी में किसानों को संबोधित करते हुए बताया गया कि फसल उत्पादन के साथ-साथ मृदा की उत्पादकता एवं गुणवत्ता

बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। डॉ. राठौर ने कहा कि फसल अवशेष से तैयार किण्वित जैविक खाद को वैज्ञानिक पोषण प्रबंधन से जोड़कर खेती की लागत घटाने, मृदा स्वास्थ्य सुधारने और संसाधन उपयोग दक्षता बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी एवं वैज्ञानिक मार्गदर्शनः गोष्ठी में विभिन्न कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। जिसमें वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ऋषि राज ने विभिन्न फसलों में खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक, यांत्रिक एवं सांस्कृतिक विधियों के समन्वित उपयोग पर बल दिया। वैज्ञानिक डॉ. विशाल त्यागी ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर संतुलित उर्वरक उपयोग तथा सही तरीके से मृदा नमूना लेने की प्रक्रिया समझाई। केवीके शिवपुरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मुकेश भार्गव ने प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों एवं स्थानीय संसाधनों के उपयोग की जानकारी दी, वहीं डॉ. पुष्पेंद्र सिंह ने गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराया। कृषि विभाग की सहायक संचालक श्रीमती किरण रावत ने किसानों को विभागीय योजनाओं एवं उपलब्ध तकनीकी सुविधाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति

गोष्ठी में 200 से अधिक किसानों ने सहभागिता की तथा कृषि वैज्ञानिकों के समक्ष अपनी समस्याएं रखकर समाधान प्राप्त किया। किसानों की सक्रिय सहभागिता हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कर विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि योगेन्द्र सिंह रघुवंशी, जय कुमार यादव, हेमपाल सिंह दांगी, गिरिराज सिंह दांगी, अमोल सिंह यादव, दुर्जन सिंह, मनोज शर्मा एवं प्रगतिशील किसान गोविन्द सिंह डांगी व अभिषेक शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में परियोजना टीम के डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. कपिला शेखावत, डॉ. सुभाष, डॉ. प्रवीण कुमार उपाध्याय, डॉ. मोना नगरगडे, डॉ. अर्जुन, डॉ. स्मृति तथा समन्वय में वाई.पी. मनीष राठौर, प्रियेश एवं अक्षय सिंह तोमर का विशेष सहयोग रहा। परियोजना टीम ने संस्थान के निदेशक, संयुक्त निदेशक (शोध) एवं संयुक्त निदेशक (प्रसार) के मार्गदर्शन हेतु आभार व्यक्त किया।

सफलता की कहानीः सिन्धबाज के परिवार के लिए बारिश अब डर नहीं, केवल मौसम है

ग्वालियर, जीएनएस। एक पक्की छत सिर्फ ईंट-पत्थर से नहीं बनती, वह भविष्य की नींव भी रखती है। सिंधुबाज से बेहतर भला इसे कौन समझ सकता है। कभी बरसात की हर रात सिंधबाज के परिवार के लिए डर लेकर आती थी, वजह थी जिस कच्ची झोपड़ी में उनका परिवार रहता था वह टपकती थी। पर अब हालात बदल गए हैं। सिंधबाज के परिवार के लिए बारिश अब डर नहीं, केवल खुशनुमा मौसम है। ÷सेवाङ्कसंकल्प अभियान÷ की भावना के अनुरूप सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन मन आवास योजना के तहत बनवाये गए पक्के घर में सिंधबाज परिवार सहित रहते हैं। साथ ही यहीं से अपनी साउण्ड सिस्टम की दुकान भी चलाते हैं।

ग्वालियर जिले की मुरार जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत हस्तिनापुर के निवासी सिंधबाज अनुसूचित जनजाति से ताल्लुक रखते है। उनका पक्के घर का सपना लंबे समय तक सपना ही बना रहा। मजदूरी ही परिवार की आजीविका का एकमात्र सहारा थी। जितना कमाते वह परिवार के भरण पोषण में खर्च हो जाता।

इसी बीच प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान) शुरू की। यहीं से सिंधबाज के दिन फिर गए। इसी योजना के तहत सिंधबाज का आवास स्वीकृत हो गया। सरकार से मिली 2 लाख रुपये की सहायता राशि से उनका शौचालय सहित पक्का मकान बन गया है। अब बारिश उनके परिवार के लिए डर नहीं, केवल मौसम है।

अपने जीवन में आए बदलाव के लिए सिंधबाज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार जताते हैं। उनका कहना है कि सुरक्षित घर मिलने के बाद अब वे पूरे भरोसे के साथ अपने रोजगार को बढ़ाने और बच्चों का भविष्य संवारने में जुटे हैं।

बचत ने खोले तरक्की के रास्तेः पक्का घर बनने के बाद मरम्मत का खर्च खत्म हुआ और वही पैसा परिवार की जरूरतों पर लगने लगा। सिंधबाज ने अपने संसाधनों से साउण्ड सिस्टम की दुकान शुरू की। अब उन्हें काम की तलाश में गांव से बाहर भटकना नहीं पड़ता और वे परिवार को ज्यादा समय भी दे पाते हैं। उनकी पत्नी रतनगढ़ माता आजीविका समूह से जुड़कर काम कर रही हैं। दोनों की कमाई से घर की आमदनी बढ़ी है और बच्चों की बेहतर शिक्षा का रास्ता खुला है।

सरकार से एक नहीं कई सहारे मिलेः आवास के साथ सिंधबाज के परिवार को उज्ज्वला गैस कनेक्शन, बिजली, नल कनेक्शन, आयुष्मान कार्ड, सुकन्या योजना, आहार अनुदान, अंत्योदय राशन कार्ड और भवन एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल कार्ड का लाभ भी मिला है। इन योजनाओं ने परिवार की आर्थिक-सामाजिक स्थिति बदली और गांव में उनका मान-सम्मान भी बढ़ा। सिंधबाज के लिए यह घर केवल ईंट-पत्थर की दीवारें नहीं, बल्कि सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भर भविष्य की मजबूत नींव है। वर्तमान में चल रहे ÷सेवाङ्कसंकल्प अभियान÷ के माध्यम से ऐसे ही जरूरतमंद परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उनके जीवन में आए बदलावों को सामने लाने का प्रयास सरकार द्वारा किया जा रहा है।

दस्तकारी हाट में देवी अहिल्या बाई बुनकर मेला शुरू

भैरवगढ़ की बाटिक कला, मंदसौर की बैडशीट व चंदेरी की साड़ियां बनी आकर्षण का केन्द्र

ग्वालियर, जीएनएस। संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम द्वारा ग्वालियर मेले में सूर्य नमस्कार तिराहा के समीप स्थित दस्तकारी हाट में देवी अहिल्या बाई बुनकर मेला लगाया गया है। मेले में प्रदेश भर के बुनकर एक से बढ़कर एक शिल्प उत्पाद लेकर आए हैं। बुनकर मेले में आने वाले सैलानियों को विभिन्न क्षेत्रों की पारंपरिक कला और हस्तनिर्मित उत्पाद एक ही स्थान पर देखने और खरीदने का अवसर मिल रहा है।

मेले में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बुनकर और शिल्पकारों के उत्पाद आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। इनमें भैरवगढ़ की प्रसिद्ध बाटिक कला, मंदसौर की बेडशीट, चंदेरी की साड़ियां सहित विभिन्न हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पाद प्रमुख हैं। इनके अलावा अन्य जिलों के शिल्पकार भी अपने पारंपरिक उत्पाद लेकर पहुंचे हैं। देवी अहिल्याबाई बुनकर मेले का शुभारंभ रविवार की शाम विकास आयुक्त, हस्तशिल्प, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारी श्री अर्चित सहारे और सहायक संचालक हथकरघा श्री माचल सिंह लोधी की मौजूदगी में हुआ। इस अवसर पर निगम प्रभारी श्री केके गौतम भी उपस्थित थे। उदघाटन अवसर पर वरिष्ठ बुनकर श्री लखन लाल आर्य और श्री ओमप्रकाश गुप्ता को सम्मानित किया गया। साथ ही निगम एवं संबंधित विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने बुनकरों और शिल्पियों को योजनाओं का लाभ लेने तथा पारंपरिक हस्तशिल्प एवं हथकरघा को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने की जल संसाधन विभाग की समीक्षा, सिंचाई व्यवस्था सुचारु रखने के दिए निर्देश

जिले में खरीफ में 48 हजार और रबी में 1.23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में होती है सिंचाई

ग्वालियर, जीएनएस। जल संसाधन एवं ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सोमवार को व्हीआईपी सर्किट हाउस में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में सिंचाई व्यवस्था और विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने बांधों में उपलब्ध जल की स्थिति की जानकारी ली तथा खरीफ और रबी फसलों के लिए सिंचाई व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिले में खरीफ मौसम में लगभग 48 हजार हेक्टेयर और रबी मौसम में लगभग 1 लाख 23 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जल संसाधनों की स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने जिले के सभी प्रमुख बांधों में जल की स्थिति की सतत निगरानी करने तथा आवश्यकता के अनुसार सिंचाई व्यवस्था की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए विभागीय अधिकारी पहले से आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने किसानों को शासन द्वारा सिंचाई जल की वसूली में दी जा रही ब्याज की छूट की जानकारी व्यापक रूप से उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि ब्याज में दी जा रही छूट का ग्राम स्तर तक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान इस सुविधा का लाभ उठा सकें। बैठक में जल संसाधन विभाग के अधीक्षण यंत्री श्री राजेश चतुर्वेदी, कार्यपालन यंत्री श्री आर.के. भलावी एवं श्री अग्निवेश सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा-संकल्प अभियान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से मूर्तरूप दें

ग्वालियर, जीएनएस। 'सेवा-संकल्प अभियान' को गंभीरता से लें और इसकी प्रत्येक गतिविधि का प्रभावी ढंग से आयोजन सुनिश्चित किया जाए। स्कूलों में ÷मेरे सपनों का भारत÷, आंगनबाड़ियों में ÷आंगन मिलन सेवा÷, विभिन्न स्थानों पर ÷सेवा ज्योति कलश यात्रा÷, ÷सेवा सेतु÷ का आयोजन प्रभावी ढंग से हो। साथ ही ÷सेवा मेरा योगदान÷ के लिये शासन द्वारा निर्धारित 25 गतिविधियों में से कम से कम 10 गतिविधियों को प्रभावी रूप से मूर्तरूप दिया जाए। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में सेवा-संकल्प अभियान की समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने अभियान में जनप्रतिनिधियों एवं जन सामान्य की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित अंतरविभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने 100 दिन से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी शिकायतों का अभियान चलाकर गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने शिकायतों के निराकरण में केवल संख्या पूरी करने के बजाय आवेदकों की संतुष्टि और समस्या के वास्तविक समाधान पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया। ग्वालियर जिले के प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा की गई घोषणाओं पर अमल की समीक्षा भी बैठक में की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को घोषणाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने तथा शासन के अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति पर भी सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

दैनिक श्रमसाधना
www.shramsadhnanews.com
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

साफ हवा-पानी या विकास, इस प्रश्न पर समाज बंटा हुआ है

जलवायु नीतियों के सामने आज एक बड़ा विरोधाभास है। दुनिया भर के लोग चाहते हैं कि सरकारें ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाएं, लेकिन कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में मतदाता ऐसी राजनीतिक शक्तियों का समर्थन कर रहे हैं, जो जलवायु संकट की गंभीरता को नकारती या कम करके पेश करती हैं। इस विरोधाभास की जड़ में गहरी आर्थिक असमानता और बढ़ती आर्थिक असुरक्षा दिखाई देती है।

अर्थ4ऑल के लिए इप्सोस के सर्वेक्षण में दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के लोगों की आर्थिक चिंता सामने आई है। सर्वे में शामिल देशों में 10 में से करीब चार लोगों को आशंका थी कि अगले 12 महीनों में उनका परिवार अपनी बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं कर पाएगा। निम्न आय वाले देशों में स्थिति और गंभीर है। सर्वेक्षण 17 देशों के 13,516 लोगों के बीच किया गया।

पिछले चार दशकों में आर्थिक विकास का लाभ समाज के निचले तबके तक पहुंचाने के जो वादे किए गए थे, वे अपेक्षाओं के अनुरूप पूरे नहीं हुए। 2008 के वित्तीय संकट और उसके बाद आए वैश्विक झटकों ने उस आर्थिक व्यवस्था की कमजोरियां भी उजागर कीं, जिसमें मुनाफे का बड़ा हिस्सा निजी हाथों में जाता है, जबकि जोखिमों का बोझ व्यापक समाज पर पड़ता है। इसका सबसे अधिक असर गरीब और कमजोर वर्गों पर पड़ता है। परिणामस्वरूप सरकारों और संस्थाओं के प्रति अविश्वास बढ़ा है।

सर्वे में 70 प्रतिशत लोगों ने माना कि उनके देश में आर्थिक असमानता बहुत अधिक है। 65 प्रतिशत लोगों का मानना था कि आर्थिक व्यवस्था अमीर और ताकतवर लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई है। दो-तिहाई से अधिक लोग आर्थिक व्यवस्था में बड़े बदलाव के पक्ष में थे, जबकि केवल 8 प्रतिशत इससे असहमत थे।

यह आर्थिक असमानता जलवायु नीतियों के लिए भी चुनौती बनती है। सर्वे में 54 प्रतिशत लोगों ने ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए सरकार की मजबूत कार्रवाई का समर्थन किया, भले ही इससे कीमतों में वृद्धि क्यों न हो। हालांकि निम्न आय वर्ग और दक्षिणपंथी झुकाव वाले लोगों में जलवायु कार्रवाई के समर्थन में कमी देखी गई।

इसका एक कारण यह भी है कि जलवायु नीतियों की लागत का असर यदि आम लोगों पर अधिक पड़े और सबसे अधिक उत्सर्जन करने वाले संपन्न वर्ग पर अपेक्षाकृत कम हो, तो ऐसी नीतियों को व्यापक सामाजिक समर्थन मिलना कठिन होगा। जलवायु संकट से निपटने के लिए केवल पर्यावरणीय लक्ष्य पर्याप्त नहीं हैं; नीतियों में सामाजिक और आर्थिक न्याय भी जरूरी है।

सामाजिक विभाजन इस चुनौती को और जटिल बनाता है। सर्वे में 67 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उनका देश एक दशक पहले की तुलना में अधिक विभाजित हो गया है। उच्च और निम्न आय वर्ग के बीच तनाव को 63 प्रतिशत, प्रवासियों और मूल निवासियों के बीच तनाव को 62 प्रतिशत तथा जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंतित और संदेह करने वाले लोगों के बीच तनाव को 53 प्रतिशत लोगों ने महत्वपूर्ण माना। ऐसे विभाजित समाजों में सामूहिक निर्णय लेना और जलवायु कार्रवाई की लागत साझा करना कठिन हो जाता है। खासकर उन परियोजनाओं में, जिनका लाभ तत्काल नहीं बल्कि वर्षों या दशकों बाद दिखाई देता है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

धरती का अदृश्य विद्युत क्षेत्र और उड़ती मकड़ियां

डॉ. विजय गर्ग

हमारे आसपास की हवा, विशेषकर साफ और शांत दिनों में, विद्युत की दृष्टि से बिल्कुल शांत दिखाई दे सकती है। लेकिन वास्तव में पृथ्वी का वायुमंडल एक सूक्ष्म विद्युत क्षेत्र से भरा हुआ है, जो बिना किसी दिखाई देने वाले तूफान या बिजली की चमक के भी मौजूद रहता है। यह अदृश्य शक्ति पृथ्वी की सतह, वायुमंडल और बादलों को जोड़ने वाली एक विशाल विद्युत प्रणाली का हिस्सा है।

पृथ्वी की सतह के निकट, साफ मौसम में वायुमंडलीय विद्युत क्षेत्र सामान्यतः लगभग 100ङ्ग150 वोल्ट प्रति मीटर होता है। हालांकि, यह स्थान, मौसम और वायुमंडलीय परिस्थितियों के अनुसार बदलता रहता है। गरज-चमक वाले तूफानों और अन्य अस्थिर मौसम के दौरान यह विद्युत क्षेत्र काफी अधिक शक्तिशाली हो सकता है। पौधे, इमारतें और अन्य वस्तुएँ भी अपने आसपास के विद्युत क्षेत्र में स्थानीय परिवर्तन उत्पन्न कर सकती हैं।

आश्चर्यजनक बात यह है कि कुछ मकड़ियाँ इन अत्यंत कमजोर विद्युत संकेतों को महसूस करने में सक्षम दिखाई देती हैं।

छोटी मकड़ियों के लिए वायुमंडल केवल हवा का माध्यम नहीं है, बल्कि यह उन्हें यह संकेत भी दे सकता है कि फैलने या यात्रा करने के लिए परिस्थितियाँ कब अनुकूल हैं। नवजात मकड़ियाँ और कुछ अन्य छोटे जीव 'बैलूनिंग' नामक व्यवहार का उपयोग करते हैं। इसमें वे रेशम के अत्यंत महीन धागे छोड़ती हैं और हवा के साथ दूर तक चली जाती हैं। इस प्रकार वे नए क्षेत्रों तक पहुँचकर वहाँ अपना आवास बना सकती हैं।

लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि मकड़ियों की इस अद्भुत यात्रा का मुख्य कारण हवा है। लेकिन शोध

से पता चला है कि विद्युत क्षेत्र भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मकड़ियों की टाँगों और शरीर के महीन बाल स्थैतिक विद्युत बलों के प्रति प्रतिक्रिया कर सकते हैं और उन्हें आसपास के विद्युत वातावरण के बारे में जानकारी दे सकते हैं।

जब मकड़ी को परिस्थितियाँ अनुकूल महसूस होती हैं, तो वह अपना उदर ऊपर उठाकर रेशम के महीन धागे छोड़ सकती है। यह रेशम आसपास के विद्युत क्षेत्र के साथ परस्पर क्रिया कर सकता है और स्थैतिक विद्युत बलों से प्रभावित हो सकता है। इससे मकड़ी को कमजोर हवा की स्थिति में भी हवा में उठने या उड़ान शुरू करने में सहायता मिल सकती है। इससे संकेत मिलता है कि 'बैलूनिंग' केवल हवा के कारण होने वाली निष्क्रिय प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसमें मकड़ी, उसके रेशम, वायुमंडल और पृथ्वी के विद्युत क्षेत्र के बीच एक जटिल संबंध हो सकता है।

यह घटना तब और भी रोचक हो जाती है जब हम इसके सूक्ष्म स्तर को समझते हैं। लगभग 120 वोल्ट प्रति मीटर का विद्युत क्षेत्र होने का अर्थ यह नहीं है कि मकड़ी को 120 वोल्ट का झटका लगता है। विद्युत क्षेत्र की तीव्रता यह बताती है कि दूरी के साथ विद्युत विभव कितनी तेजी से बदलता है। मकड़ी जैसे अत्यंत छोटे जीव के स्तर पर ये सूक्ष्म स्थैतिक विद्युत बल भी जैविक रूप से महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

पौधे भी इस वातावरण को प्रभावित कर सकते हैं। उनकी पत्तियाँ और सतहें अपने आसपास के विद्युत क्षेत्र को बदल सकती हैं और छोटी-छोटी विविधताएँ उत्पन्न कर सकती हैं, जिन्हें कुछ कीट और अन्य जीव महसूस कर सकते हैं। अस्थिर मौसम के दौरान वायुमंडल की विद्युत स्थिति में भी काफी परिवर्तन हो सकता है, जिससे शांत दिनों की तुलना में जीवों के लिए एक अलग भौतिक वातावरण बन जाता है।

मकड़ियों की विद्युत संकेतों के प्रति प्रतिक्रिया जीव विज्ञान के एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को दर्शाती है—जीव ऐसे पर्यावरणीय संकेतों को भी महसूस कर सकते हैं, जिन्हें मनुष्य सीधे अनुभव नहीं कर सकता। हम मुख्य रूप से दृष्टि, श्रवण, स्पर्श और गंध जैसी इंद्रियों पर निर्भर करते हैं, लेकिन अनेक जीव चुंबकीय क्षेत्रों, विद्युत क्षेत्रों, कंपन, पराबैंगनी प्रकाश और अन्य सूक्ष्म भौतिक संकेतों को महसूस करने की क्षमता रखते हैं।

मकड़ियों की 'बैलूनिंग' यह भी दर्शाती है कि भौतिक विज्ञान और जीव विज्ञान एक-दूसरे से कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं। एक ऐसा व्यवहार जो हमें लगभग जादुई लगता है—एक छोटी-सी मकड़ी का हवा में तैरना—वास्तव में वायुगतिकीय बलों, स्थैतिक विद्युत, रेशम के गुणों और पर्यावरणीय परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव से समझा जा सकता है।

विभिन्न मकड़ी प्रजातियाँ विद्युत क्षेत्रों को किस प्रकार महसूस करती हैं और प्राकृतिक परिस्थितियों में बिजली उनके लिए कितनी महत्वपूर्ण है, इसके बारे में अभी भी बहुत कुछ जानना बाकी है। यह घटना हमें याद दिलाती है कि वायुमंडल केवल जीवों को घेरने वाला खाली स्थान नहीं है। यह दबाव, तापमान, नमी, आयनों, विद्युत-चुंबकीय प्रभावों और विद्युत क्षेत्रों से युक्त एक गतिशील भौतिक संसार है।

इसलिए पृथ्वी की अदृश्य बिजली भी उस प्राकृतिक संसार का हिस्सा है, जिसमें अनगिनत जीव प्रतिदिन जीवन व्यतीत करते हैं। जहाँ मनुष्य सामान्यतः इस विद्युत वातावरण से गुजरते हुए इसे महसूस नहीं करते, वहीं छोटी मकड़ियाँ इसे उन संकेतों में से एक के रूप में उपयोग कर सकती हैं, जो उन्हें बताते हैं कि कब और कैसे उड़ान भरनी है।

साफ आकाश हमें खाली दिखाई दे सकता है, लेकिन हमारे ऊपर तथा प्रत्येक पत्ती, पौधे और जीव के आसपास एक अदृश्य विद्युत संसार मौजूद है। एक छोटी-सी मकड़ी के लिए यह अदृश्य विद्युत क्षेत्र कभी-कभी वह संकेत हो सकता है, जो उसे अपना रेशम छोड़ने, हवा को पकड़ने और एक अद्भुत यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित करता है।

समान नागरिक संहिता : एक कानून, एक देश की सही दिशा

आदित्य चौधरी
गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट

समान नागरिक संहिता देश में लंबे समय से चली आ रही संवैधानिक और सामाजिक बहस का विषय है। इसका मूल उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने और संपत्ति जैसे नागरिक मामलों में धर्म के आधार पर अलग-अलग कानूनी व्यवस्थाओं के स्थान पर समान नियम लागू करना है। संविधान के अनुच्छेद 44 में राज्य को नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास करने का निर्देश दिया गया है।

भारत विविध धर्मों, भाषाओं और परंपराओं वाला देश है। वर्तमान में विभिन्न धार्मिक समुदायों के व्यक्तिगत मामलों से जुड़े अलग-अलग कानून और परंपराएं लागू हैं। समान नागरिक संहिता के समर्थकों का तर्क है कि नागरिकों के निजी और पारिवारिक मामलों में समान कानूनी व्यवस्था से समानता और कानूनी स्पष्टता मजबूत हो सकती है। दूसरी ओर, इसके विरोध में धार्मिक स्वतंत्रता, सांस्कृतिक विविधता और समुदायों की पारंपरिक व्यवस्थाओं पर संभावित प्रभाव को लेकर आशंकाएं व्यक्त की जाती हैं।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू की जा चुकी है। वहां विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और अन्य नागरिक मामलों के लिए समान प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। हालांकि, राज्य के कानून में अनुसूचित जनजातियों तथा कुछ संवैधानिक रूप से संरक्षित व्यवस्थाओं के लिए अपवाद भी रखे गए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि समान नागरिक संहिता का स्वरूप तैयार करते समय देश की सामाजिक और संवैधानिक विविधता को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है।

मेरे विचार से समान नागरिक संहिता सामाजिक सुधार और कानूनी समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकती है। एक देश में नागरिक मामलों से जुड़े अलग-अलग कानून होने से कई बार कानूनी प्रक्रिया जटिल हो जाती है। विशेष रूप से विवाह, तलाक, भरण-पोषण और संपत्ति के अधिकारों से जुड़े मामलों में समान और स्पष्ट नियम महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने में सहायक हो सकते हैं।

यह भी ध्यान रखना होगा कि समान नागरिक संहिता धार्मिक आस्था या पूजा-पद्धति को नियंत्रित करने का विषय नहीं, बल्कि नागरिक और पारिवारिक कानूनों से जुड़ा प्रश्न है। इसके बावजूद इसे लागू करते समय धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना उतना ही जरूरी है। किसी भी कानून की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके प्रावधान कितने स्पष्ट, व्यावहारिक और संविधान की मूल भावना के अनुरूप हैं।

सामाजिक सुधार कभी सहज नहीं होते। इसलिए समान नागरिक संहिता पर व्यापक चर्चा और सभी संबंधित पक्षों के विचारों को स्थान मिलना चाहिए। मेरे मत में यदि इसे समानता, न्याय और संवैधानिक अधिकारों के संतुलन के साथ लागू किया जाता है, तो यह भारत में नागरिक कानूनों को अधिक सरल और स्पष्ट बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

समान नागरिक संहिता केवल कानून में बदलाव का विषय नहीं है। यह समानता, सामाजिक न्याय, महिलाओं के अधिकार और नागरिकों के समान कानूनी दर्जे से जुड़ा व्यापक प्रश्न है। इसलिए इसके प्रत्येक प्रावधान पर गंभीर विमर्श के साथ आगे बढ़ना ही इसकी प्रभावशीलता सुनिश्चित कर सकता है।

4 ब्लैक स्पॉट को किया खत्म

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर शहर को कचरा ब्लैक स्पॉट मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत लंबे समय से कचरा जमा होने वाले स्थानों की सफाई कर उन्हें ब्लैक स्पॉट से मुक्त किया जा रहा है। सोमवार को नगर निगम की टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कई ब्लैक स्पॉट समाप्त किए। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 30 सचिन तेंदुलकर मार्ग स्थित खाली भूखण्ड से कचरा साफ किया। साथ ही चिटनिस की गोठ वार्ड क्रमांक 44, वार्ड क्रमांक 6 मंगलेश्वर मंदिर के पीछे, वार्ड क्रमांक 3 आर के गेस्ट हाउस सहित कई स्थलों पर सफाई कर वर्षों से जमा कचरे को हटाया गया। इन स्थानों की सफाई के साथ आसपास के क्षेत्र को भी व्यवस्थित किया गया।

डिवाइडरों की पेंटिंग और सफाई कार्य तेज

ग्वालियर। शहर को स्वच्छ, सुंदर और आकर्षक स्वरूप देने के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा बड़े पैमाने पर सौंदर्यकरण एवं सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने शहर के मुख्य मार्गों और चौराहों पर स्थित डिवाइडरों की पुताई एवं मरम्मत व सफाई कर उन्हें सुंदर और व्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए है। सहायक सिटी प्लानर श्री अमित गुप्ता ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत सड़कों के बीचों-बीच बने डिवाइडरों पर आकर्षक रंग-रोगन किया जा रहा है, ताकि शहर की दृश्यता और सुंदरता में बढ़ोतरी हो सके। इसके साथ ही डिवाइडरों के किनारे जमा मिट्टी, धूल और मलबे को हटाने का काम भी युद्धस्तर पर किया जा रहा है।

भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालने पर वसूला जुर्माना

ग्वालियर। भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालकर यातायात को अवरूद्ध कर रहे मकान मालिकों पर जुर्माने की कार्रवाई करते हुए 12000 रूपये का जुर्माना वसूला गया। अधीक्षण यंत्री जनकार्य श्री सुरेष अहिरवार ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देषानुसार भवन निर्माण सामग्री सडक पर डालने वालों पर अभियान चलाकर जुर्माने की कार्यवाही की गई। जिसके तहत आज भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालने पर वार्ड 3 फोर्ट व्यू कॉलोनी में श्रीमती कंचना शाक्य पर 3000 रूपये, वार्ड 37 कमला नगर में श्री हरपाल सिंह चौहान पर 1000 रूपये, सोना नगर में श्री सुरेष कुषवाह पर 2000 रूपये, वार्ड 65 बालाजीधाम भगवती विहार में श्रीमती भावना साहू पर 3000 रूपये, वार्ड 64 बीजासेन माता मंदिर पुरानी छावनी पर श्री फत्ते खान पर 2000 रूपये, पुरानी छावनी पर श्रीमती सीमा यादव पर 1000 रूपये।

उप मुख्यमंत्री ने सेवा संकल्प अभियान में किया व्यंकट भवन का भ्रमण

भोपाल, जीएनएस। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रारंभ हुए 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत रीवा के ऐतिहासिक व्यंकट भवन का भ्रमण किया। उप मुख्यमंत्री ने व्यंकट भवन में पुरातत्व विभाग द्वारा किए जा रहे सौन्दर्यीकरण का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन 17 सितम्बर से सेवा संकल्प अभियान शुरू किया गया है। प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुसार हमारी प्राचीन विरासतों को संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। व्यंकट भवन रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य क्षेत्र की ऐतिहासिक और गौरवमयी विरासत है। इसमें बघेली स्थापत्य कला की झलक के साथ-साथ आधुनिक स्थाप?त्य की भी झलक है। इसके संरक्षण के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जलसा ग़ौसुल वरा कार्यक्रम 24 को होगा

मदरसे में छात्रों के स्वास्थ्य की जांच के लिए कैंप लगाया गया

जालौन, जीएनएस। इस्लामी साल का ये चौथा महीना है जिसे ग्यारहवीं शरीफ के नाम से जाना जाता है हर साल इस महीने में 11 तारीख़ को हुज़ूर गौस पाक की याद में जलसे वा फातिहा हर जगह की जाती हैं , और उनके फरमान को लोंगो तक पहुँचाया जाता है। इसी महीने ग्यारहवीं के मौके पर जो प्रोग्राम जशन ग़ौसुल वरा होने जा रहा है उसकी तैयारी को लेकर इन्तिज़ामिया कमेटी कि अहम बैठक हुई है, जिसमे मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए दारुल उलूम गौसिया मजीदिया के नाज़िमे आला अल्हाज हाफ़िज़ इरशाद अशरफी ने कहा कि इस प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए पूरी कमेटी के लोग बड़े ही लगन के साथ में लगे हुए है। मदरसे के प्रिंसिपल मुफ़्ती तारिक़ बरकाती साहब ने बताया कि इस बार 24 सितम्बर जुमेरात को रात 8ः30 बजे से दारूल उलूम गौसिया मजीदिया (अहाता बड़े पीर साहब) में हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़े ही शानो शौकत के साथ में जशन ग़ौसुल वरा मनाया जाएगा जिसमें मुख्य वक्ता हज़रत अल्लामा मौलाना मुर्तज़ा शरीफी साहब (बलरामपुर) हज़रत मुफ़्ती अशफाक बरकाती साहब कालपी, शायर जनाब यूसुफ रज़ा कानपुरी , एलॉन्सर जनाब शब्बीर अशरफ़ी कानपुरी , और इनके अलावा मकामी उल्मा-ए-किराम की भी शिरकत होगी प्रोग्राम को लेकर मदरसे में बैठक हुई जिसमें कारी ज़रीफ़ , कारी दिलशाद , ज़ुल्फ़िकार ज़ुल्फी , आसिफ कुरैशी एडवोकेट, मुकीम आलम , महबूब सिद्दीकी , अतीकुर्रहमान, कामिल, मुकीम रहमानी, समेत काफी लोंगो ने शिरकत की और मदरसे के छात्रों के स्वास्थ्य को लेकर कैंप भी लगाया गया जिसमें डॉक्टर आफताब बरकाती (किलकारी हॉस्पिटल वालों) ने सभी बच्चों का अच्छे से चेकअप किया और उनको दवा भी दी इसके बाद कमेटी के लोगों ने डॉक्टर आफताब साहब को साफी पहनाकर उनका फूल माला डाल कर स्वागत किया।

बसपा सम्मेलन में मुख्य अतिथि द्वारा बसपा प्रत्याशी की घोषणा कुंवर वीरपाल सिंह कालपी 220 विधानसभा बसपा पार्टी प्रत्याशी बने

जालौन, जीएनएस। बसपा पार्टी विधानसभा स्तरीय ऐतिहासिक सम्मेलन में जन सैलाब कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में झांसी मंडल प्रभारी चीफ गेस्ट अतिथियों डॉ विजय प्रसाद एवं झांसी मंडल के कोऑर्डिनेटर लालाराम अहिरवार समेत दोनों ने संयुक्त रूप से बसपा सुप्रीमो बहिन मायावती के निर्देश पर बसपा पार्टी अधिकृत विधानसभा कालपी प्रत्याशी कुंवर वीरपाल सिंह की घोषणा कर मौजूद कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए प्रत्याशी को जिताकर लखनऊ भेजकर बहिन मायावती को पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनाने हेतु आवाहन किया सोमवार के दिन एमएसवी इंटर कॉलेज कालपी प्रांगण में आयोजित बसपा पार्टी विधानसभा स्तरीय ऐतिहासिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि बुंदेलखंड प्रभारी डॉक्टर विजय प्रसाद एवं झांसी

मंडल कोऑर्डिनेटर लालाराम अहिरवार समेत दोनों ने बसपा प्रत्याशी की घोषणा करते हुए कहा कि बसपा सुप्रीमो के निर्देश पर हजारों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में कालपी विधानसभा के अधिकृत प्रत्याशी कुंवर वीरपाल सिंह को बनाया है सभी मौजूद कार्यकर्ता जी जान से जुट कर पार्टी के प्रत्याशी को जिताकर लखनऊ भेजें जिससे बहिन मायावती पांचवीं बार मुख्यमंत्री बन सके आप लोग किसी पार्टी जनों के बहकावे में न आए हम सभी लोग अपने मिशन में लगकर वर्ष 2027 में नीला परचम फहराकर बसपा की पार्टी की सरकार बनाकर ही रहेंगे इतना नहीं अतिथियों ने ऐतिहासिक सम्मेलन में कार्यकर्ताओं की हजारों की उपस्थिति देखकर गदगद हुए पूर्व मंत्री जगदीश प्रजापति सतीश निषाद अधिवक्ता जिला उपाध्यक्ष रफीउद्दीन नारायण हरि अवस्थी पूर्व जिला अध्यक्ष अतर सिंह पाल धीरेंद्र चौधरी मलखान सिंह पाल पूर्व मंत्री चैनसुख भारती माधवगढ़ प्रत्याशी आशीष पांडे जगजीवन अहिरवार शैलेंद्र शिरोमणि अनीश राइन दिलीप गुर्जर आदि भक्तों ने अपने-अपने विचार प्रकट किया जिला महासचिव उदयवीर दोहरी ने सम्मेलन का संचालन किया प्रत्याशी की घोषणा पूर्व वीरपाल सिंह ने अपने समर्थन साथियों के साथ दोनों मुख्य अतिथियों का सर्वाधिक बड़े फूलों की माला से अभूतपूर्व स्वागत किया वही दोनों चीफ गेस्ट स्वागत पाकर एवं सम्मेलन में जन सैलाब कार्यकर्ताओं की उपस्थित देखकर गदगद होकर प्रत्याशी को दिल से लगाकर जमकर आभार प्रकट किया गायिका निशा बौद्ध ने अनेकों गीत प्रस्तुत कर मौजूद कार्यकर्ताओं के बीच जमकर समा बांधा उपस्थित कार्यकर्ताओं ने जमकर ताली बजाकर स्वागत किया प्रत्याशी की घोषणा के बाद कुंवर वीरपाल सिंह आदि।

ग्वालियर में राज्य महिला आयोग की संयुक्त बैंच करेगी सुनवाई

ग्वालियर। राज्य महिला आयोग द्वारा 28 सितम्बर को ग्वालियर में यशोधरा एआई (एआई एण्ड वूमेन) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला प्रस्तावित है। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष की उपस्थिति भी संभावित है। साथ ही राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष व सदस्यगण भी शामिल होंगे। इस आयोजन के बाद 29 व 30 सितम्बर को व्हीआईपी सर्किट हाउस ग्वालियर में संयुक्त बैंच का आयोजन भी किया जायेगा। राज्य महिला आयोग कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष व सदस्यगणों का 27 सितम्बर को सायंकाल ग्वालियर आगमन प्रस्तावित है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 सितम्बर को प्रातः 11 बजे यशोधरा एआई (एआई एण्ड वूमेन) विषय पर कार्यशाला प्रस्तावित है।

पेंच रिपेयरिंग कर सड़कों को किया दुरूष्त

ग्वालियर, जीएनएस। बरसात में खराब हुई सड़कों पर नगर निगम ग्वालियर द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए शहर की विभिन्न सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग का कार्य किया जा रहा है।

सहायक यंत्री श्री अमित गुप्ता ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार निगम के अमले द्वारा निरंतर सुगम यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सड़कों पर पेच रिपेयरिंग का काम किया जा रहा है। जिसके तहत आज बुद्धविहार कॉलोनी खुरैरी, मोहनपुर स्कूल के पास, नैनागिर गॉव, हाट पुल के पास रामकुई मोटे महादेव मंदिर तक, द्वारिकापुरी में, आर्मी की बजरिया कम्पू महावीर भवन केआरजी कॉलेज तक, कम्पू थाने से एसएएफ रोड, महेषपुरा, तुलसीपुरा पटरी रोड, लक्ष्मीनगर नारायण विहार, आनंद नगर चौराहा से सागरताल चौराहा तक, शील नगर, डीडी नगर गेट नम्बर-2 सामने वाली गली, विक्की फैक्ट्री, बेलदारों का पुरा में आदि सड़कों पर मुरम डालकर यातायात को सुगम बनाया। इसके साथ ही थाटीपुर, गांधी रोड, काल्पी ब्रिज रोड, व्हीआईपी मार्ग मुरार, पिंटो पार्क मुरार आदि सड़कों पर डामरीकरण कर पेंच रिपेयरिंग की गई।

कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला शिवपुरी (म.प्र.)

E-mall modgmshl@mp.gov.ln

पत्र क्रमांक 1856/3-6/खनि/क्यू.एल. 588/2026 शिवपुरी, दिनांक 18.09.2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18(1-क) (दो) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदका विमलेश आदिवासी निवासी बगबाला सवराई जिला ग्वालियर म. प्र. द्वारा जिला शिवपुरी की तहसील पिछोर के ग्राम कमालपुर की शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 2801 रकवा 4.00 हैक्टेयर क्षेत्र पर गिट्टी, बोल्डर, एम सैण्ड मुरूम खनिज का उत्खनिपट्टा हेतु आवेदन पत्र दिनांक 08.09.2026 प्रस्तुत किया गया। उपरोक्त (शासकीय भूमि) के निम्नानुसार क्षेत्र पर उत्खनिपट्टा प्राप्त करने एवं दावा/आपत्ति हेतु दिनांक 18/10/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन प्रस्तुत पत्र ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किए जाएँगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम/कस्बा	सर्वे क्रमांक	कुल रकबा है. में	आवेदित रकवा है. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
शिवपुरी	पिछोर	कमालपुर	2801	22.020	4.00	शासकीय	गिट्टी,बोल्डर, एम. सैण्ड	

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के सम्बन्ध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सार्य 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जायेगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

खनि अधिकारी
जिला शिवपुरी (म.प्र.)

G-18924/26

आशीर्वाद का दीया और अवतरण का उत्सव

आशीर्वाद का दीया!
संजय पराते

दिवाली आने में अभी पौने दो माह बाकी हैं, लेकिन देश को पहले ही जगमगाने की तैयारी शुरू हो गई है। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। लेखक इसी को आधार बनाकर व्यंग्य करते हैं कि इस दिन को केवल जन्मदिन मानना पर्याप्त नहीं है, इसे 'अवतरण दिवस' की तरह मनाया जाना चाहिए। जिन्हें इस बात पर संदेह हो, उनके लिए लेखक राजनीतिक विज्ञान की चर्चित डिग्री और जन्मतिथि से जुड़े सार्वजनिक विवादों को व्यंग्य का आधार बनाते हैं।

मोदीजी के जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए जिस तरह दीप जलाने और विभिन्न आयोजनों की तैयारियां की गईं, लेखक उसी पर सवाल उठाते हैं। उनका तंज है कि जब देश में तेल और तिलहन की अपनी समस्याएं हैं, तब भी दीयों के लिए तेल जुटाने की चिंता है। व्यंग्यकार की कल्पना में यदि देश की पूरी जनता का तेल निकाल लिया जाए तो दीपावली से लेकर होली तक रोशनी की कोई कमी नहीं रहेगी। यह कटाक्ष दरअसल आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक दबाव और सरकारी उत्सवों पर होने वाले खर्च के बीच अंतर को रेखांकित करता है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन को धार्मिक प्रतीकों से जोड़ने की राजनीति पर भी तीखा व्यंग्य करते हैं। वे मोदी के राजनीतिक व्यक्तित्व की तुलना राम और कृष्ण के अवतारों से करते हुए कहते हैं कि जिस तरह राम रावण से और कृष्ण कंस से मुक्ति दिलाने के लिए अवतरित हुए थे, उसी तरह मोदीजी भी देश को अपने राजनीतिक लक्ष्य की दिशा में ले जाने के लिए अवतरित हुए हैं। यह तुलना लेखक की व्यंग्यात्मक कल्पना है, जिसके जरिए वे प्रधानमंत्री के समर्थकों द्वारा उनके व्यक्तित्व के महिमामंडन पर कटाक्ष करते हैं।

2002 के गुजरात दंगों का संदर्भ भी आता है। लेखक उस समय की राजनीतिक परिस्थितियों और तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की भूमिका को लेकर की गई आलोचनाओं को व्यंग्य के माध्यम से सामने रखते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी के 'राजधर्म' संबंधी कथन का उल्लेख करते हुए लेखक मोदी के राजनीतिक सफर पर तंज कसते हैं। इसके साथ ही हिंदुत्व की राजनीति और मुसलमानों के प्रति राजनीतिक विमर्श को लेकर भी लेखक अपनी तीखी आपत्ति दर्ज करते हैं।

व्यंग्य का निशाना मोदीजी के उस चर्चित बयान की ओर जाता है, जिसमें उन्होंने स्वयं को जैविक जन्म से अलग बताया था। लेखक इसी बात को पकड़कर नेहरू, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे पूर्व प्रधानमंत्रियों को 'जैविक' प्रधानमंत्री बताते हैं और मोदीजी को 'गैर-जैविक' बताकर दोनों के बीच एक काल्पनिक मुकाबला खड़ा करते हैं। उनका व्यंग्य है कि यदि मोदीजी पहले अवतरित हो जाते तो देश का विकास भी बहुत पहले हो जाता। इसी बहाने लेखक वर्तमान सत्ता की ओर से नेहरू की विरासत की आलोचना पर भी कटाक्ष करते हैं।

असली लड़ाई नेहरू और मोदी के बीच नहीं, बल्कि अंधेरे

और रोशनी के बीच बताई जा रही है। एक ओर पुराने विकास मॉडल को पीछे खींचने वाला बताया जाता है और दूसरी ओर वर्तमान सरकार को देश को आगे ले जाने वाला। व्यंग्यकार इसी दावे को अतिशयोक्ति में बदलकर पूछते हैं कि यदि हर उपलब्धि का श्रेय वर्तमान नेतृत्व को और हर कमी की जिम्मेदारी अतीत को दी जाए तो राजनीतिक विमर्श का क्या अर्थ रह जाता है।

इसके बाद लेखक आम जनता और सरकारी उत्सव के बीच का अंतर सामने रखते हैं। उनके अनुसार आम आदमी अपनी रोजमर्रा की परेशानियों में उलझा हुआ है, लेकिन अधिकारियों के स्तर पर सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर दीपमालाएं सजाई जा रही हैं। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में दीप जलाए जाने का उदाहरण देते हुए लेखक सरकारी धन के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हैं। उनका तंज है कि सरकारी पैसा आखिर जनता का ही पैसा होता है और उसे उत्सवों पर खर्च करने के लिए जनता से अलग से अनुमति लेने की जरूरत नहीं समझी जाती।

गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति को लेकर भी लेख में तीखा व्यंग्य है। लेखक कहते हैं कि जिस परिवार के पास दीपक जलाने के लिए तेल जुटाना मुश्किल है, उसके लिए सरकारी स्तर पर लाखों दीये जलाने का उत्सव किस अर्थ में विकास या समृद्धि का प्रतीक है। इसी संदर्भ में वे सवाल उठाते हैं कि इन आयोजनों पर कितना खर्च हुआ और दीये व तेल किस कीमत पर खरीदे गए। यह सवाल सरकारी खर्च में पारदर्शिता और प्राथमिकताओं को लेकर लेखक की चिंता को सामने लाता है।

लेख का एक बड़ा हिस्सा राम मंदिर और प्रधानमंत्री के राजनीतिक व्यक्तित्व के बीच बनाए जा रहे संबंध पर केंद्रित है। लेखक व्यंग्य करते हैं कि यदि प्रधानमंत्री के जन्मदिन को अवतरण दिवस माना जा रहा है, तो इसे धार्मिक उत्सव से जोड़ने में भी कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए। इसी कल्पना को आगे बढ़ाते हुए वे 17 सितंबर को राम की दिवाली और मोदीजी के अवतरण दिवस के रूप में मनाने का व्यंग्यात्मक प्रस्ताव रखते हैं।

लक्ष्मी और गरीबों की स्थिति के माध्यम से भी आर्थिक असमानता पर कटाक्ष करते हैं। उनकी कल्पना में लक्ष्मी गरीब की झोपड़ी तक जाने के बजाय बड़े उद्योगपतियों की तिजोरियों तक पहुंचती है। इस हिस्से में अडानी और अंबानी का उल्लेख करते हुए लेखक सत्ता, बड़े कारोबार और आर्थिक संसाधनों के बीच संबंधों पर राजनीतिक व्यंग्य करते हैं। यह पूरा प्रसंग लेखक की व्यंग्यात्मक शैली में है और इसे उन्होंने आर्थिक असमानता की आलोचना के रूप में इस्तेमाल किया है।

इसके बाद लेख में हिंदुत्व की राजनीति, मंदिर-मस्जिद विवाद और विपक्ष की भूमिका पर कटाक्ष किया गया है। लेखक का व्यंग्य है कि यदि सत्ता की राजनीति में धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल लगातार बढ़ता रहा तो आने वाले समय में धर्मस्थल भी राजनीतिक गतिविधियों के केंद्र बन सकते हैं। कृष्ण जन्मभूमि, काशी और अयोध्या जैसे धार्मिक स्थलों से जुड़े विवादों का उल्लेख करते हुए वे आशंका और अतिशयोक्ति के जरिए मौजूदा राजनीतिक विमर्श पर हमला करते हैं।

सेवा संकल्प अभियान को भी इसी राजनीतिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में देखते हैं। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले कार्यक्रमों को लेकर उनका कहना है कि इन आयोजनों में सरकार और संगठन की सांस्कृतिक राजनीति का प्रदर्शन दिखाई देता है। वे व्यंग्य करते हैं कि सड़कों पर दीप जलने के बाद अब धार्मिक प्रतीकों और राजनीतिक नारों की रोशनी पूरे देश में दिखाई जाएगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए लेखक आरोप लगाते हैं कि धर्म, भाषा और जाति के आधार पर समाज को बांटने की राजनीति लंबे समय से जारी है।

वे यह भी कहते हैं कि चुनाव में हार हो या जीत, राजनीतिक संगठन की सक्रियता बनी रहती है। इस पूरे हिस्से में लेखक की वैचारिक असहमति और राजनीतिक आलोचना स्पष्ट रूप से सामने आती है।

अंत में लेखक 'आशीर्वाद का दीया' को ही अपने व्यंग्य का केंद्रीय प्रतीक बनाते हैं। उनका कहना है कि सत्ता पक्ष जनता से अपने पक्ष में आशीर्वाद और समर्थन की उम्मीद कर रहा है, लेकिन जनता अपने राजनीतिक निर्णय के लिए समय का इंतजार कर रही है। व्यंग्यकार इसी बात को धार्मिक प्रतीक से जोड़ते हुए कहते हैं कि हिंदू परंपरा में दीया कब जलाया जाता है, यह जनता भी अच्छी तरह जानती है।

इस तरह 'आशीर्वाद का दीया' प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर होने वाले उत्सवों से शुरू होकर धर्म, राजनीति, सरकारी खर्च, आर्थिक असमानता, हिंदुत्व की राजनीति और चुनावी विमर्श पर टिप्पणी करने वाला राजनीतिक व्यंग्य बन जाता है।

सफेद कोट, नए सपने और सेवा का संकल्प

डॉ. विजय गर्ग

सफेद कोट देखने में भले ही एक साधारण परिधान लगे, लेकिन चिकित्सा विद्यार्थी के लिए इसका अर्थ कहीं अधिक गहरा होता है। यह ज्ञान, अनुशासन, जिम्मेदारी, करुणा और मानव जीवन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसलिए व्हाइट कोट समारोह केवल नए शैक्षणिक सत्र की औपचारिक शुरुआत नहीं, बल्कि उस यात्रा का प्रतीकात्मक क्षण है, जब एक युवा विद्यार्थी डॉक्टर बनने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम उठाता है।

एमबीबीएस में प्रवेश पाने के लिए विद्यार्थी वर्षों तक मेहनत करते हैं। प्रवेश परीक्षा की तैयारी, प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितताओं के बीच परिवार भी उनके साथ खड़ा रहता है। ऐसे में जब पहली बार सफेद कोट कंधों पर आता है, तो यह उपलब्धि केवल विद्यार्थी की नहीं, बल्कि उसके परिवार और मार्गदर्शकों की भी होती है। हालांकि यह मंजिल नहीं, बल्कि एक लंबी और जिम्मेदार यात्रा की शुरुआत है।

कोट से बड़ी है जिम्मेदारी

सफेद कोट चिकित्सा पेशे की पहचान है, लेकिन इसका वास्तविक महत्व उस विश्वास में है जो समाज चिकित्सकों पर करता है। अस्पताल पहुंचने वाला मरीज डॉक्टर में केवल बीमारी का उपचार करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि आशा और भरोसे का प्रतिनिधि देखता है।

हर मरीज के पीछे एक परिवार और एक मानवीय कहानी होती है। इसलिए चिकित्सा शिक्षा का उद्देश्य केवल बीमारी पहचानना या दवाएं लिखना नहीं है। एक अच्छे चिकित्सक को मरीज को ध्यान से सुनना, उसकी चिंता समझना, उसकी निजता का सम्मान करना और उसके साथ संवेदनशील व्यवहार करना भी सीखना होता है।

विज्ञान के साथ मानवीय संवेदना : चिकित्सा विज्ञान की मजबूत नींव पर खड़ी है। शरीर रचना विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, जैव रसायन, औषध विज्ञान, विकृति विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान जैसे विषय विद्यार्थियों को मानव शरीर और रोगों की जटिलताओं को समझने में सहायता करते हैं। आगे चलकर इन्हीं ज्ञान को वास्तविक मरीजों पर लागू करना सीखा जाता है।

लेकिन चिकित्सा शिक्षा केवल तथ्यों को याद करने का नाम नहीं है। विद्यार्थियों को वैज्ञानिक ढंग से सोचने, प्रमाणों को समझने, सही प्रश्न पूछने और तर्कसंगत निर्णय लेने की क्षमता विकसित करनी होती है। चिकित्सा

विज्ञान लगातार बदल रहा है। नई बीमारियां, नई जांच तकनीकें और उपचार के नए तरीके सामने आ रहे हैं। इसलिए भविष्य के डॉक्टर के लिए जीवनभर सीखते रहना आवश्यक होगा।

मरीज को केवल बीमारी न समझें : चिकित्सा का सबसे महत्वपूर्ण सबक यह है कि मरीज केवल एक बीमारी नहीं है। मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति केवल मधुमेह का मरीज नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं, परिवार और सामाजिक परिस्थितियों वाला इंसान है। कैंसर से जूझ रहा व्यक्ति केवल एक चिकित्सकीय मामला नहीं है।

कई बार मरीज अपनी परेशानी ठीक से बता नहीं पाता। भय, संकोच या आर्थिक चिंता उसे खुलकर बात करने से रोक सकती है। ऐसे में डॉक्टर का धैर्यपूर्वक सुनना उपचार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाता है। वैज्ञानिक ज्ञान के साथ करुणा और सहानुभूति चिकित्सक के व्यक्तित्व को पूर्ण बनाती हैं।

कठिनाइयों से घबराएं नहीं : मेडिकल शिक्षा की राह आसान नहीं होती। विशाल पाठ्यक्रम, कठिन परीक्षाएं, लंबी चिकित्सकीय ड्यूटी और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां विद्यार्थियों के सामने आती हैं। कभी आत्मविश्वास में कमी भी महसूस हो सकती है।

ऐसे समय में कठिनाइयों को असफलता नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझना चाहिए। नियमित अध्ययन, समय का उचित उपयोग, पर्याप्त नींद, स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक संबंध लंबे समय तक बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी हैं।

शिक्षक और परिवार की भूमिका : मेडिकल शिक्षक केवल विषय का ज्ञान नहीं देते, बल्कि अपने आचरण से चिकित्सा पेशे की मर्यादा भी सिखाते हैं। मरीज से बातचीत कैसे करनी है, अनिश्चित परिस्थिति में निर्णय कैसे लेना है और अपनी गलती को स्वीकार कर उससे कैसे सीखना है—इन सबका प्रभाव विद्यार्थियों पर पड़ता है।

परिवार भी इस यात्रा का महत्वपूर्ण आधार है। विद्यार्थी की सफलता के पीछे अक्सर माता-पिता का त्याग, शिक्षकों का मार्गदर्शन और मित्रों का सहयोग होता है। सफेद कोट समारोह इसलिए पूरे परिवार के लिए गर्व और भावुकता का अवसर बन जाता है।

तकनीक के साथ नैतिकता जरूरी : आज के विद्यार्थी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य, आधुनिक जांच तकनीक और रोबोटिक चिकित्सा के दौर में डॉक्टर बनेंगे। तकनीक निदान और उपचार को अधिक प्रभावी बना सकती है, लेकिन वह डॉक्टर और मरीज के बीच मानवीय संबंध का स्थान नहीं ले सकती।

चिकित्सा पेशे में मरीज की सहमति, गोपनीयता, स्वायत्तता, ईमानदारी और मानव गरिमा का सम्मान उतना ही जरूरी है जितना चिकित्सकीय ज्ञान। डॉक्टर की वास्तविक पहचान उसकी डिग्री से नहीं, बल्कि उसके ज्ञान, चरित्र और सेवा-भावना से बनती है।

सफेद कोट का वास्तविक अर्थ : व्हाइट कोट समारोह एक शुरुआत है। आज जो विद्यार्थी गर्व के साथ सफेद कोट पहन रहे हैं, वे भविष्य में मरीजों की जांच करेंगे, कठिन परिस्थितियों का सामना करेंगे, शोध करेंगे और अगली पीढ़ी को चिकित्सा शिक्षा देंगे।

सफेद कोट की असली गरिमा समारोह के मंच पर नहीं, बल्कि मरीज के सामने दिखाई देगी। जब डॉक्टर किसी पीड़ित व्यक्ति को धैर्य से सुनेगा, ईमानदारी से उपचार करेगा, अपनी सीमाओं को समझेगा और मानवता के साथ व्यवहार करेगा, तभी इस कोट का वास्तविक सम्मान होगा।

सफेद कोट केवल डॉक्टर बनने की पहचान नहीं है। यह ज्ञान के साथ जिम्मेदारी, विशेषज्ञता के साथ विनम्रता और चिकित्सा के साथ मानव सेवा का संकल्प है। एमबीबीएस विद्यार्थियों की यात्रा अभी शुरू हुई है—एक ऐसी यात्रा, जिसमें हर दिन उन्हें कुछ नया सीखना है और हर मरीज उन्हें इंसानियत का एक नया पाठ पढ़ाएगा।

चम्बलांचल के विकास की गारंटी बनेगा अलग प्रदेश, 22 जिलों को शामिल करने की मांग; चम्बल कलश रथयात्रा गांव-गांव पहुंचा रही संदेश

जनता के बल पर उठी है पृथक चम्बल प्रदेश की मांग : नरसिंह कुमार चौबे

भिण्ड जीएनएस।
राष्ट्रीय हनुमान सेना पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पृथक चम्बल प्रदेश गठन की मांग के संयोजक नरसिंह कुमार चौबे ने कहा है कि पृथक चम्बल प्रदेश के गठन की मांग जनता के बल पर उठाई गई है। उनका कहना है कि अलग प्रदेश बनने से चम्बलांचल की लंबे समय से चली आ रही विकास संबंधी समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी प्रयास हो सकेंगे और क्षेत्र के विकास को नई गति मिल सकती है।

चौबे ने कहा कि चम्बल नदी का उद्गम मालवा क्षेत्र से होता है और राजस्थान तथा मध्यप्रदेश की सीमा पर इसके पानी के उपयोग के लिए कई बांधों का निर्माण किया गया है। इससे कुछ क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई की सुविधा मिली है। इसके विपरीत चम्बलांचल के कई हिस्सों में किसान आज भी वर्षा के पानी पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में चम्बल, क्वारी, यमुना और सिंध सहित कई नदियां हैं, इसके बावजूद सिंचाई व्यवस्था पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने पचनदा बांध परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि पांच नदियों के जल संगम वाले क्षेत्र में इस परियोजना की योजना 25 अक्टूबर 1983 को बनाई गई थी। उनके अनुसार परियोजना के लिए समय-समय पर केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से बजट तथा योजनाओं की चर्चा होती रही, लेकिन अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। चौबे का कहना है कि पचनदा बांध बनने से भूमि कटाव कम करने, भूजल स्तर बनाए रखने, सिंचाई सुविधा बढ़ाने और बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान में मदद मिल सकती है।

चौबे ने बताया कि राष्ट्रीय हनुमान सेना पार्टी की ओर से 27 दिसंबर 1999 से पृथक चम्बल प्रदेश के गठन की मांग उठाई जा रही है। उनके अनुसार प्रस्तावित प्रदेश में तीन राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों को शामिल करने की मांग है। उत्तरप्रदेश से आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, झांसी और ललितपुर; मध्यप्रदेश से गुना, शिवपुरी, अशोकनगर, दतिया, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर और भिण्ड तथा राजस्थान से धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, कोटा, बारां और झालावाड़ जिलों को इसमें शामिल करने का प्रस्ताव है।

उन्होंने कहा कि चम्बलांचल में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं संचालित होती रही हैं, लेकिन उनका अपेक्षित लाभ क्षेत्र के दूरदराज इलाकों तक नहीं पहुंच पाया। उनका दावा है कि अलग प्रदेश बनने से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योजनाएं तैयार करने और उनके क्रियान्वयन पर अधिक ध्यान दिया जा सकेगा।

चौबे ने कहा कि इससे पहले भी बड़े राज्यों के पुनर्गठन से छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड और तेलंगाना जैसे नए राज्य अस्तित्व में आए हैं। इसी आधार पर चम्बलांचल के लिए भी अलग प्रदेश की मांग रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह मांग क्षेत्र के विकास, सिंचाई, बिजली, रोजगार और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी है।

उन्होंने बताया कि मांग के समर्थन में चम्बल कलश रथयात्रा निकाली जा रही है। यह यात्रा दूरदराज के गांवों तक पहुंचकर लोगों को चम्बलांचल की समस्याओं और पृथक प्रदेश की मांग के बारे में जानकारी दे रही है। चौबे ने कहा कि जनता के सहयोग से उठाई गई इस मांग का उद्देश्य चम्बलांचल में विकास की संभावनाओं को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि अलग प्रदेश बनने पर छत्तीसगढ़ और झारखंड की तर्ज पर चम्बलांचल के विकास की दिशा में नए अवसर तैयार हो सकते हैं।

अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर भ्रमण दल को किया रवाना

बाजरा उत्पादन की आधुनिक तकनीक सीखने 50 किसानों का दल राजस्थान रवाना

शिवपुरी जीएनएस
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के अंतर्गत संचालित मध्य प्रदेश राज्य मिलेट मिशन योजना के तहत जिले के 50 कृषकों के भ्रमण दल को सोमवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रवानगी उप संचालक कृषि श्री मुनेश कुमार शाक्य एवं सहायक संचालक कृषि डॉ. श्रीमती किरन रावत द्वारा दी गई। यह कृषक दल राजस्थान के विभिन्न प्रमुख कृषि संस्थानों का भ्रमण कर मिलेट और बाजरा उत्पादन की उन्नत तकनीकों की जानकारी प्राप्त करेगा।

यह अध्ययन भ्रमण दल आत्मा के ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक श्री मंजेश त्यागी एवं कृषि विस्तार अधिकारी श्री संदीप कुमार रावत के नेतृत्व में रवाना हुआ है। भ्रमण के दौरान किसान दल सवाई माधोपुर, अजमेर, भरतपुर, जयपुर एवं जोधपुर आदि स्थानों का दौरा करेगा। वहां कृषक कृषि वैज्ञानिकों के साथ बाजरा एवं अन्य मिलेट फसलों की उत्पादन तकनीक पर विस्तृत चर्चा करेंगे। भ्रमण के दौरान कृषक विभिन्न शोध एवं कृषि संस्थानों में उपलब्ध मिलेट तथा बाजरा फसलों की आधुनिक उत्पादन तकनीकों, उन्नत किस्मों और प्रसंस्करण विधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन करेंगे। इससे जिले के किसानों को अपने क्षेत्रों में मिलेट फसलों के उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी।

कृषक अध्ययन भ्रमण दल को रवाना करते समय कृषि विभाग के अन्य कार्यालयीन अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने किसानों को इस अध्ययन यात्रा के माध्यम से नई तकनीकों को सीखकर अपने खेतों में अपनाने और जिले में मिलेट उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

'स्वस्थ भविष्य के लिये आयुर्वेद' थीम पर आयोजित हो रहे स्वास्थ्य शिविर

जिले की समस्त आयुष संस्थाओं में आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

शिवपुरी जीएनएस
संचालनालय आयुष, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशन में जिले की समस्त आयुष संस्थाओं में 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस "स्वस्थ भविष्य के लिये आयुर्वेद" की मुख्य थीम पर आधारित है। कार्यक्रम की श्रृंखला में मुख्य जिला स्तरीय आयोजन 23 सितम्बर 2026 को आयोजित किया जाएगा।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. अनिल वर्मा ने बताया कि अभियान के तहत जिले में आयुर्वेद स्वास्थ्य एवं जन-जागरूकता, औषधीय पौधों की पहचान, उपयोग एवं उनके संरक्षण पर विशेष गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इसके साथ ही आमजन को दिनचर्या, ऋतुचर्या एवं योग संबंधी जानकारी देने के साथ-साथ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर, प्रकृति परीक्षण, जीवनशैली मूल्यांकन तथा योग एवं ध्यान सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा एवं जोड़ रोगों की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य परामर्श दिए जा रहे हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों पर आयुष स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें स्वस्थ वृद्धावस्था एवं पोषण विषय पर व्याख्यान दिए जा रहे हैं। साथ ही पर्यावरण व स्वास्थ्य संवर्धन हेतु औषधीय पौधों का रोपण कर आयुर्वेद वाटिका का विकास भी किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं में आयुर्वेद के प्रति रुचि जागृत करने के उद्देश्य से विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर व्याख्यान, क्विज, निबंध तथा पोस्टर व पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला आयुष प्रशासन द्वारा जिले के नागरिकों से इन कार्यक्रमों और शिविरों में सहभागिता कर आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की गई है।

संघर्ष से सम्मान तकः चिरौंजी लाल राठौड़ को नियमित पेंशन मिलने से दूर हुई आर्थिक निर्भरता, बुजुर्गों को मिल रहा जीवन में सुरक्षा और स्वाभिमान का एहसास

शिवपुरी जीएनएस
जिले की ग्राम पंचायत गुगरीपुरा के निवासी श्री चिरौंजी लाल राठौड़ एक बेहद साधारण ग्रामीण परिवार से आते हैं। बढ़ती उम्र और शारीरिक कमजोरियों के कारण अब वे दैनिक मजदूरी या मेहनत-मजदूरी का कार्य करने में सक्षम नहीं रहे। आय का कोई स्थायी साधन न होने के कारण उन्हें अपनी छोटी-छोटी दैनिक आवश्यकताओं, व्यक्तिगत जरूरतों और बीमारियों की दवाइयों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। इस आर्थिक तंगी और बेबसी ने उनके जीवन में संघर्ष और अनिश्चितता ला दी थी।

ऐसे कठिन समय में शासन की "इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना" उनके जीवन में एक बड़ा सहारा बनकर आई। योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त होने के बाद पंचायत एवं सामाजिक न्याय विभाग के सहयोग से उनका आवेदन पंजीकृत किया गया और वे पेंशन योजना से जुड़ गए। इस शासकीय योजना के माध्यम से उन्हें प्रतिमाह नियमित रूप से आर्थिक सहायता (पेंशन राशि) मिलने लगी, जिसने उनके जीवन को एक नई दिशा और संबल प्रदान किया।

शासकीय पेंशन योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग श्री चिरौंजी लाल अपनी दवाइयां खरीदने, स्वास्थ्य संबंधी देखभाल और दैनिक जीवन की अनिवार्य जरूरतों को पूरा करने में कर रहे हैं। अब उन्हें अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए किसी अन्य के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता। इस नियमित वित्तीय सहयोग ने उनके जीवन में बड़ी राहत पहुँचाते हुए उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित किया है।

सामाजिक प्रभाव एवं स्वाभिमान : पेंशन योजना के लाभ ने न केवल चिरौंजी लाल को वित्तीय रूप से राहत पहुँचाई, बल्कि उनके सामाजिक जीवन और आत्म-सम्मान में भी भारी वृद्धि की है। श्री चिरौंजी लाल कहते हैं, "अब छोटे-छोटे कामों और अपनी जरूरतों के लिए मुझे दूसरों के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता। इससे मेरा आत्मविश्वास पुनः लौटा है और ज़िंदगी में एक सुरक्षा व सम्मान का एहसास हुआ है।" उनकी यह कहानी गाँव के अन्य वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी शासकीय योजनाओं के प्रति विश्वास जगाने वाली है।

प्रशासनिक संवेदनशीलता एवं आभार : जिला प्रशासन द्वारा वृद्धजनों के कल्याण हेतु सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के पात्र व्यक्तियों तक प्राथमिकता से पहुँचाया जा रहा है। श्री चिरौंजी लाल राठौड़ ने बुजुर्गों की देखभाल, आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के लिए चलाई जा रही इस कल्याणकारी योजना हेतु सरकार और जिला प्रशासन का सहृदय धन्यवाद व आभार व्यक्त किया है।

समय सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

संबल योजना के लंबित प्रकरणों का शीघ्र करें निराकरण : कलेक्टर

भिण्ड, जीएनएस।
कलेक्टर भिण्ड की अध्यक्षता में समय सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी तथा कई अधिकारी वर्चुअल रूप से उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बुढ़वा मंगल की तैयारियों की समीक्षा कर कहा कि जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, किसी प्रकार की लापरवाही नहीं रहे। लोगों के लिए पीने का पानी, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेटिंग, विद्युत आपूर्ति, चलित शौचालय सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं रहें। सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा कर निर्देशित किया कि गतिविधियाँ निरंतर आयोजित होती रहें, साथ ही प्रतिदिन आयोजित होने वाली गतिविधियों के फोटोग्राफ्स सीएम इवेंट पोर्टल पर अपलोड होते रहें। सीएमएचओ भिण्ड को निर्देशित किया कि जिला स्तर के अलावा ब्लॉक स्तर पर भी रक्तदान शिविर आयोजित होते रहें।

विकसित भारत की थीम पर 50 फीट की पेंटिंग बनाए जाने हेतु प्लानिंग करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने उद्यम क्रांति योजना, पीएम स्वनिधि, पीएम विश्वकर्मा, पीएमएफएमई, जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास निगम, मुख्यमंत्री विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु स्वरोजगार योजना, पीएम मानधन योजना अंतर्गत स्वीकृत एवं वितरण की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली तथा प्रगति बढ़ाने निर्देश दिए।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक विद्यालय, छीमक में आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी में सम्मिलित होने का सुअवसर प्राप्त हुआ। ?विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स और उनकी रचनात्मकता वाकई सराहनीय है। बच्चों की कला और विचार देखकर मन अत्यंत अभिभूत हुआ। ?इस अवसर पर जिला कार्यसमिति सदस्य डॉ. बलदेव सिंह चहल जी, पूर्व किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्री उमेश रसालदार जी, मंडल महामंत्री श्री बंटी रावत जी, छीमक सरपंच श्री नरेंद्र जाटव जी, श्री रिंकू परिहार जी, श्री आफताब सेन जी एवं शासकीय माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य जी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंश्योरेंस ऑफिसर्स (नोइनो) का द्विवर्षीय महाधिवेशन व त्रैमासिक सम्मेलन संपन्न

वाराणसी, जीएनएस।
भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) से संबद्ध भारतीय जीवन बीमा निगम एलआइसी)के प्रथम श्रेणी अधिकारियों के प्रमुख संगठन 'नेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंश्योरेंस ऑफिसर्स' (नोइनो) का द्विवर्षीय महाधिवेशन एवं त्रैमासिक सम्मेलन भेलूपुर स्थित होटल डॉल्फिन ग्रैंड में अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ 7 कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं पदाधिकारियों द्वारा भारत माता,भगवान विश्वकर्मा तथा भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्रों पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं श्रमिक गीत के साथ हुआ।

सम्मेलन की अध्यक्षता वाराणसी यूनिट के अध्यक्ष सुरेश कुमार मिश्रा ने की 7 मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित नोइनो के राष्ट्रीय महासचिव राजेश दुबे ने संगठन की मूल भावना को रेखांकित करते हुए कहा ÷हमारी विचारधारा राष्ट्रवाद है 7 श्रम आंदोलन की वास्तविक सफलता तभी संभव है जब यह जन आंदोलन का रूप ले 7 %राष्ट्र का औद्योगीकरण,उद्योगों का श्रमीकीकरण और श्रमिकों का राष्ट्रीयकरण% केवल नारा नहीं बल्कि हमारी कार्यशैली का आधार है 7 संगठन का कार्य ईश्वर का कार्य है इसलिए सामाजिक उत्तरदायित्वों में हमारी सक्रिय सहभागिता अनिवार्य है।

उत्तर मध्य क्षेत्र के जोनल सेक्रेटरी संजीव दुबे ने कहा कि नोइनो अपनी मूल्य- आधारित कार्यशैली और जागरूकता के लिए विशेष पहचान रखता है 7 मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने दत्तोपंत ठेंगड़ी के आदर्शों का स्मरण कराते हुए उद्योग और श्रमिकों के बीच निरंतर समन्वय पर बल दिया 7 सम्मेलन में वाराणसी मंडल के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक राजेश कुमार चौधरी के कुशल नेतृत्व की सराहना की गई उनके मार्गदर्शन में मंडल ने प्रीमियम आय और मानव संसाधन (।क्र) प्रबंधन के क्षेत्र में ज़ोन व राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है 7 पिछले ढाई वर्षों में वाराणसी मंडल द्वारा 600 करोड़ से अधिक की प्रीमियम आय अर्जित करना अधिकारियों के उत्कृष्ट टीम वर्क और सकारात्मक कार्य-संस्कृति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कार्यक्रम का संचालन अजय प्रताप सिंह ने किया,महामंत्री प्रतिवेदन संजय कुमार सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन विजय शंकर पाण्डेय ने किया 7 अधिवेशन में संस्था के सर्वांगीण विकास, कार्य-जीवन संतुलन (वर्क लाइफ बैलेंस) और सकारात्मक वातावरण निर्माण से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

पालिका टीम ने विद्यालय में जाकर छात्रों को शपथ दिलाकर स्वच्छता का दिया संदेश

जालौन, जीएनएस।
नगर पालिका परिषद स्वच्छता टीम ने कन्या विद्यालय में जाकर मौजूद छात्राओं को स्वच्छता के तहत शपथ दिलाई। सोमवार के दिन नगर पालिका परिषद कालपी आर आई अजीत सिंह यादव लिपिक शिशुपाल सिंह उर्फ़ पप्पी यादव इरफान मंसूरी समेत टीम ने रावगंज स्थित नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज कालपी विद्यालय में जाकर मौजूद छात्राओ को स्वच्छता की शपथ दिलाकर घर से लेकर पड़ोसी लोगों को स्वच्छता के तहत जागरूक करने का संदेश दिया।

दबोह में कल हर्षोल्लास से निकलेगा भगवान श्रीकृष्ण का विमान (डोल)

दबोह, जीएनएस।
जलझूलनी एकादशी (डोल ग्यारस) के पावन अवसर पर कल दबोह नगर में भगवान श्रीकृष्ण का भव्य %डोल जुलूस% अत्यंत श्रद्धा और धूमधाम के साथ निकाला जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर नगरवासियों एवं मंदिर कमेटियों द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मुरली मनोहर मंदिर पुजारी पंडित कैलाश बुधौलिया ने बताया कि नगर के विभिन्न मंदिरों से भगवान के विमान (डोल) पूर्ण विधि-विधान और पूजा-अर्चना के बाद बाहर लाए जाएंगे। तत्पश्चात, मुख्य बाजारों और मार्गों से होते हुए एक भव्य जुलूस के साथ करधेन तालाब पर पहुचेंगे। इस दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन और %जय कन्हैया लाल की% के जयघोष करते हुए चलेंगे। जुलूस के पश्चात परंपरा अनुसार भगवान के श्री विग्रह को करधेन सरोवर/जलाशय पर ले जाया जाएगा, जहाँ उन्हें जल विहार कराया जाएगा और आरती के बाद महाप्रसाद का वितरण होगा।

सीए स्टूडेंट टैलेंट सर्च-2026 के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता आयोजित,60 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

(संतोष कुमार सिंह)
वाराणसी। दी इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया की वाराणसी शाखा द्वारा ÷सीए स्टूडेंट टैलेंट सर्च - 2026÷ के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन वाराणसी शाखा परिसर आईसीएआई भवन,प्लॉट नम्बर 2बी प्रेमचंद्र नगर कॉलोनी पांडेयपुर वाराणसी में किया गया जिसमे वाराणसी तथा आस पास के क्षेत्रो से 60 से अधिक प्रतिभागियों ने बढ़ -चढ़कर हिस्सा लिया 7 इस प्रतियोगिता में जीतने वाले प्रतिभागियों को दी इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया की वाराणसी शाखा की ओर से ट्राफी देकर सम्मानित किया गया जिसमे जज की भूमिका में सीए चंद्र प्रकाश पांडेय सीए इरशाद अहमद सीए शान अनवर रहे 7

कार्यक्रम का शुभारम्भ शाखा अध्यक्ष सीए वैभव मेहरोत्रा ने उपस्थित सभी छात्र, छात्राओं का उत्साह वर्धन के साथ किया एवं कार्यक्रम संचालन शाखा उपाध्यक्ष सीए विकास द्विवेदी ने किया 7 निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मुस्कान यादव द्वितीय स्थान पर उज्जवल सिंह तथा तृतीय स्थान ज्योति सिंह रही और कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन,शाखा सचिव सीए रंजीत पांडेय ने किया।

उत्तम तप धर्म पर 100 युवाओं ने एक साथ किया भगवान मुनिसुव्रतनाथ का अभिषेक

ग्वालियर, जीएनएस।
जैन धर्म के दशलक्षण महापर्व के अवसर पर उत्तम तप धर्म के दिन माधवगंज चितेराओली स्थित दिगंबर जैन मंदिर में भक्ति और धार्मिक उल्लास का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। मंदिर में विराजमान भगवान मुनिसुव्रतनाथ के अभिषेक के लिए लगभग 100 युवाओं ने एक साथ सहभागिता करते हुए भगवान का अभिषेक किया। समाज के प्रवक्ता ललित जैन भारती ने जानकारी देते हुए बताया कि सामूहिक अभिषेक के दौरान मंदिर परिसर भक्तिभाव और जयकारों से गूंज उठा! अभिषेक के अवसर पर सौरभ जैन, विक्की जैन, डॉ. अतुल जैन एवं जे.के. जैन को प्रथम कलश करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वहीं शांतिधारा का सौभाग्य सुशील-साधना जैन तथा मुकेश-जूली जैन ने अपने जन्मदिन के अवसर पर प्राप्त किया और धार्मिक अनुष्ठान के माध्यम से पुण्यार्जन किया।

इस अवसर पर सुमितचंद प्रवीण कुमार जैन, संजय गोल्ड परिवार, विकास जैन-नवीन जैन परिवार, आदित्य जैन परिवार एवं धर्मेंद्र-मधु जैन परिवार ने भी प्रतिदिन शांतिधारा करने का भाव व्यक्त करते हुए पुण्यार्जन किया।

कार्यक्रम में महिलाओं एवं बच्चों की भी बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ भगवान की पूजा-अर्चना एवं अभिषेक में सहभागिता की। भगवान को लाडू समर्पित करने का सौभाग्य धर्मेंद्र जैन एवं अजीत जैन को प्राप्त हुआ।

मंदिर परिसर में एक साथ बड़ी संख्या में युवाओं द्वारा किए गए अभिषेक ने धार्मिक वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया। उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओं ने धार्मिक आयोजनों में सहभागिता करते हुए उत्तम तप धर्म के संदेश को आत्मसात करने और जीवन में संयम, साधना एवं आत्मशुद्धि का भाव जागृत करने का संकल्प लिया।

गुरुजी की स्मृति में हर एकादशी को फलाहार सामग्री का वितरण

पोरसा, जीएनएस।
नगर के अंबाह रोड पर क्षेत्र के जाने-माने संत एवं ख्याति प्राप्त संत माखन दास महाराज की स्मृति में हर एकादशी के अवसर पर श्रद्धालुओं और उपवास रखने वाले लोगों के लिए फलाहार सामग्री के वितरण का सेवा कार्य लंबे समय से निरंतर चल रहा है। गुरुजी की स्मृति को समर्पित यह सेवा कार्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ मानव सेवा की भावना का भी संदेश दे रहा है।

एकादशी हिंदू धर्म में विशेष धार्मिक महत्व रखने वाला दिन माना जाता है। इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान विष्णु की आराधना करते हुए व्रत एवं उपवास रखते हैं। उपवास के दौरान सामान्य अन्न का सेवन नहीं किया जाता, ऐसे में फल, साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, आलू सहित विभिन्न फलाहारी सामग्री की आवश्यकता होती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हर एकादशी पर जरूरतमंद श्रद्धालुओं को फलाहार की सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।

संत माखन दास महाराज के अनुयायियों एवं सेवा से जुड़े लोगों का कहना है कि गुरुजी ने सदैव धर्म, सेवा, परोपकार और जरूरतमंदों की सहायता का संदेश दिया। उनकी इसी प्रेरणा को आगे बढ़ाते हुए एकादशी के दिन फलाहार सामग्री का वितरण किया जाता है। इस सेवा में श्रद्धालु उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं और गुरुजी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। वितरण स्थल पर एकादशी के दिन श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। सेवा कार्य से जुड़े लोग श्रद्धापूर्वक फलाहार सामग्री वितरित करते हैं। कई लोग इसे गुरुजी के आशीर्वाद और उनकी सेवा भावना को जीवित रखने का माध्यम मानते हैं। फलाहार सामग्री का यह वितरण विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी साबित होता है, जो धार्मिक आस्था के चलते एकादशी का व्रत रखते हैं, लेकिन फलाहार सामग्री जुटाने में कठिनाई महसूस करते हैं।

आयुर्वेद और योग आधुनिक जीवनशैली में स्वस्थ जीवन का वैज्ञानिक आधार

इस वर्ष आयुर्वेद दिवस का संदेश 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' है। यह केवल एक परंपरा के उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि बदलती जीवनशैली में स्वास्थ्य की प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है। आज की तेज रफ्तार जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएँ तो बहुत दी हैं, लेकिन इसके साथ अनियमित दिनचर्या, लंबे समय तक बैठकर काम करना, मोबाइल और स्क्रीन का अत्यधिक उपयोग, नींद की कमी, मानसिक तनाव तथा असंतुलित खान-पान जैसी चुनौतियाँ भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में भारत की प्राचीन स्वास्थ्य परंपराओं आयुर्वेद और योग की प्रासंगिकता नए वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सामने आती है। आयुर्वेद केवल बीमारी के उपचार की बात नहीं करता, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य को बनाए रखने और जीवनशैली को व्यवस्थित करने पर भी जोर देता है। योगाचार्य महेश पाल ने बताया कि भारत सरकार ने 2025 में 23 सितंबर को प्रत्येक वर्ष आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी।भारत सरकार ने हर वर्ष 23 सितंबर को निश्चित रूप से आयुर्वेद दिवस मनाने का निर्णय लिया। इससे पहले आयुर्वेद दिवस धनतेरस/धन्वंतरि जयंती के अवसर पर मनाया जाता था, जिसकी तारीख हर वर्ष बदलती थी। स्थायी तारीख रखने से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयुर्वेद दिवस की पहचान तथा आयोजन में निरंतरता सुनिश्चित करना उद्देश्य है।23 सितंबर शरद विषुव (ह्लह्लद्बठ्ठड्डद्य श्वह्लह्लद्बठ्ठश्च×) के आसपास आता है, जब दिन और रात की अवधि लगभग बराबर होती है। आयुर्वेद में स्वास्थ्य के लिए संतुलन और सामंजस्य की अवधारणा महत्वपूर्ण है, इसलिए इस तारीख का प्रतीकात्मक संबंध भी संतुलन की इसी भावना से जोड़ा गया है। आयुर्वेद का मूल विचार शरीर, मन और प्रकृति के बीच संतुलन से जुड़ा है, जबकि योग शरीर, श्वास, मन और चेतना के बीच सामंजस्य स्थापित करने की दिशा में कार्य करता है। यही

कारण है कि दोनों को केवल पारंपरिक पद्धति के रूप में देखने के बजाय स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली के समग्र दृष्टिकोण के रूप में समझना अधिक उपयोगी है।आधुनिक विज्ञान भी नियमित शारीरिक गतिविधि, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और तनाव प्रबंधन को स्वस्थ जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी स्वस्थ जीवनशैली में संतुलित आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और तनाव प्रबंधन को महत्वपूर्ण मानता है। योग इस आधुनिक जीवनशैली में एक सरल और व्यावहारिक साधन बन सकता है। आसन शरीर की गतिशीलता, लचीलापन और शक्ति को बनाए रखने में सहायक होते हैं, प्राणायाम श्वास के प्रति जागरूकता और मानसिक शांति को बढ़ावा देता है तथा ध्यान तनाव और मानसिक अशांति को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। ङ्ख॥ह्ल के अनुसार योग पर उपलब्ध वैज्ञानिक शोध में तनाव और चिंता में कमी तथा शक्ति और लचीलेपन में सुधार जैसे सकारात्मक प्रभाव सामने आए है आयुर्वेद और योग का संबंध केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि रोकथाम और स्वस्थ दिनचर्या से भी है। समय पर भोजन करना, अपनी प्रकृति और आवश्यकता के अनुसार आहार लेना, पर्याप्त विश्राम करना, नियमित शारीरिक गतिविधि करना और मानसिक संतुलन बनाए रखना–ये सभी ऐसे जीवनशैली संबंधी पहलू हैं जिनका महत्व आज आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान भी स्वीकार करता है हालांकि किसी बीमारी की स्थिति में योग या आयुर्वेदिक उपचार को चिकित्सकीय परामर्श का विकल्प नहीं मानना चाहिए; विशेषकर औषधियों और उपचारों का उपयोग योग्य चिकित्सक की सलाह से ही किया जाना चाहिए। ङ्ख॥ह्ल भी पारंपरिक चिकित्सा के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग के लिए वैज्ञानिक प्रमाण, गुणवत्ता और उचित नियमन पर जोर देता है। योगाचार्य महेश पाल का कहना है कि ÷योग और आयुर्वेद हमारी प्राचीन विरासत भर नहीं हैं, बल्कि यदि इन्हें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सही जीवनशैली के साथ अपनाया जाए तो ये आज के तनावपूर्ण और असंतुलित जीवन में स्वास्थ्य संरक्षण की महत्वपूर्ण आधारशिला बन सकते हैं। मेरा मानना है कि स्वस्थ रहने के लिए बीमारी का इंतजार करने के बजाय हमें प्रतिदिन अपनी दिनचर्या में योग, प्राणायाम, ध्यान, संतुलित एवं प्राकृतिक आहार और पर्याप्त विश्राम को स्थान देना चाहिए। योग शरीर को सक्रिय और मन को संतुलित करता है, वहीं आयुर्वेद हमें प्रकृति के अनुरूप जीवन जीने की दिशा देता है। इन दोनों का उद्देश्य केवल रोग से मुक्ति नहीं, बल्कि व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से अधिक संतुलित बनाना होना चाहिए।÷ आज आवश्यकता इस बात की है कि योग और आयुर्वेद को केवल किसी विशेष बीमारी के समय याद करने के बजाय दैनिक जीवन की स्वस्थ आदतों का हिस्सा बनाया जाए। सुबह की शुरुआत कुछ समय योगासन, प्राणायाम और ध्यान से करना, दिनभर सक्रिय रहना, संतुलित भोजन करना, स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करना और रात में पर्याप्त नींद लेना–छोटे-छोटे ये कदम लंबे समय में स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आयुर्वेद दिवस का संदेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि स्वास्थ्य केवल बीमारी का अभाव नहीं, बल्कि बेहतर जीवन जीने की क्षमता है। आधुनिक विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा के बीच संवाद बढ़ाकर, प्रमाण-आधारित दृष्टिकोण अपनाकर और योग्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में योग तथा आयुर्वेद को जीवनशैली का हिस्सा बनाना आज के समाज के लिए एक सकारात्मक दिशा हो सकती है।

जिला न्यायालय परिसर में लगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

ग्वालियर, जीएनएस।

जिला न्यायालय परिसर में सोमवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री ललित किशोर के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में न्यायिक अधिकारियों, सहायक लोक अभियोजन अधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालयीन कर्मचारियों, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा आमजन ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। शिविर में कुल 54 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री ललित किशोर ने रक्त संग्रहण

बस में फीता काटकर किया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) श्री नवीन शर्मा सहित जिला स्थापना पर पदस्थ न्यायाधीशगण उपस्थित रहे। शिविर का आयोजन शासकीय जयारोग्य चिकित्सालय ग्वालियर एवं जिला चिकित्सालय मुरार के सहयोग से किया गया। इस शिविर में रक्तदान करने वाले प्रमुख न्यायिक अधिकारियों में श्री रोहित सिंह, श्रीमती वंदना राज पाण्डे, श्री प्रशान्त शुक्ला, श्री गौतम भट्ट, श्री पारस जैन, श्री विशाल अखण्ड, श्री वी.पी.एस. चौहान, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री पुष्पेन्द्र सिंह, श्रीमती पल्लवी बंसल, सुश्री चाहना शर्मा, श्री अनिरुद्ध उचाडिया, श्री राजेन्द्र गुप्ता, श्री अजय प्रताप सिंह यादव, श्रीमती अदिति तिवारी एवं श्रीमती स्वाति गोयल सहित अन्य न्यायाधीशगण शामिल हैं।

शिविर में सहायक लोक अभियोजन अधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालयीन कर्मचारियों, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा आम नागरिकों ने भी रक्तदान कर इस मानवीय पहल में सहभागिता की। रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए रक्त उपलब्ध कराने का संदेश भी दिया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डेढ़ किलोमीटर का गंदा नाला और उसके किनारे सिसकती जिंदगी

आगरा, संजय सिंह।

मलपुरा में करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा गंदा नाला अब महज जलभराव की समस्या नहीं, बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवारों के लिए रोजमर्रा की जिंदगी की बड़ी चुनौती बन गया है। नाले में भरा गंदा पानी, उठती दुर्गंध और बीमारी के खतरे ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हालात ऐसे हैं कि नाले के समीप रहने वाले परिवारों के लिए अपने ही घरों में सहज जीवन बिताना मुश्किल हो रहा है। क्षेत्रीय नागरिकों की परेशानी को देखते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता उपेंद्र सिंह ने नागरिकों के साथ मौके पर पहुंचकर नाले का निरीक्षण किया और समस्या को गंभीरता से उठाया। नागरिकों ने लंबे समय से चली आ रही परेशानी से निजात दिलाने की मांग की। इसी बीच सांसद राजकुमार चाहर ने क्षेत्रीय नागरिकों से फोन पर वार्ता कर जल्द प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण कराने तथा समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया। निरीक्षण के दौरान ओंकार सिंह भगोर, वीरेंद्र काका, विजयपाल सिंह, गोविंद सिंह एडवोकेट, सोनू चौधरी और जीतू पंडित सहित क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

रेत के अवैध परिवहन में लिप्त 12 ट्रेक्टर ट्रॉली व 01 लोडर जब्त

जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ मुहिम जारी

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ लगातार विशेष मुहिम जारी है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गई राजस्व, खनिज व पुलिस की संयुक्त टीमों द्वारा बड़ागांव, विक्की फैक्ट्री तिराहा एवं गिरवाई क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान रेत के अवैध परिवहन में लिप्त 12 ट्रेक्टर ट्रॉली व 01 लोडर जब्त किया गया है। जब्त किए गए ये सभी वाहन पुलिस अभिरक्षा में खड़े कराए गए हैं। साथ ही रेत के अवैध परिवहन में लिप्त लोगों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की गई है।

जिला खनिज अधिकारी श्री पंकजध्वज मिश्रा से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह बड़ागांव क्षेत्र में छापामार कार्रवाई के दौरान रेत से भरी 7 ट्रेक्टर ट्रॉली व 01 लोडर जब्त किया गया है। रेत के अवैध परिवहन में लिप्त इन वाहनों को बिजौली थाने की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। इसी तरह सोमवार को विक्की फैक्ट्री तिराहे के समीप 2 एवं गिरवाई क्षेत्र से रेत से भरीं 3 ट्रेक्टर ट्रॉली जब्त की गई हैं। इन वाहनों को भी पुलिस अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है। इस कार्रवाई को तहसीलदार मुरार श्री विजय शर्मा, खनिज निरीक्षक श्री एम एल गौड़ व श्री रमाकांत तिवारी, प्रभारी खनिज निरीक्षक श्री कमलेश अहिरवार व राजस्व निरीक्षक श्री अरविंद शर्मा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों ने अंजाम दिया।

मुख्य मार्गों से हटाया अस्थाई अतिक्रमण, यातायात को बनाया सुगम

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने एवं मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से कार्रवाई की गई। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में अपर आयुक्त श्री प्रदीप सिंह तोमर एवं नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान के मार्गदर्शन में मदाखलत दलों ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए हाथ ठेले, फुटपाथी फड़, दुकानों के बाहर रखा सामान एवं अन्य अतिक्रमण हटवाया।

पूर्व विधानसभा क्षेत्र में मदाखलत अधिकारी श्री शैलेंद्र चौहान के निर्देषन में चेतकपुरी स्वामी विवेकानंद चौराहे के पास से हाथ ठेला जप्त कर हाथ ठेले वालों व फुटपाथियों को हटवाया। इसके पश्चात मुरार बारादरी चौराहे से सदर बाजार, अग्रसेन चौक, गणेश मंदिर, गर्म सड़क, गर्ल्स कॉलेज तक यातायात में बाधक हाथ ठेले वालों व फुटपाथियों को हटवाया और दुकानदारों के सामान को दुकानों के अंदर करवाया। इसके साथ ही राजा मानसिंह चौराहे से लेकर तानसेन रेजिडेंसी एसपी ऑफिस एवं राजमाता चौराहे तक खम्बो पर लगे झंडी बैनर निकालने की कार्रवाई की। उक्त कार्रवाई मदाखलत निरीक्षक श्री सुघर सिंह सिसोदिया, श्री राघवेंद दिखित व दल पूर्व द्वारा की गई।

इसके साथ ही ग्वालियर विधानसभा अंतर्गत किलागेट चौराहा, किलागेट रोड, हजीरा चौराहा, चार शहर का नाका रोड, इंटक मैदान रोड़ सहित विभिन्न स्थानो पर खड़े यातायात में बाधक हाथ ठेलों, सडक पर रखे सामानों एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण को दल के साथ राउन्ड लगाकर हटवाकर, हाथ ठेलो को हॉकर्स जोन के अंदर भिजवाया गया एवं अवागमन मार्ग क्लियर करवाया गया।

मथुरा में बॉल बैडमिंटन के नए युग की शुरुआत: जिला बॉल बैडमिंटन संघ का हुआ गठन, पुनीत अध्यक्ष, अरविंद चित्तौड़िया बने जिला महासचिव

मथुरा, जीएनएस।
ब्रज नगरी मथुरा में खेल प्रतिभाओं को नया मंच देने के लिए जिला बॉल बैडमिंटन संघ की नींव रखी गई है। खेल प्रशासक एवं राष्ट्रवादी पत्रकार अरविंद चित्तौड़िया को सर्वसम्मति से जिला बॉल बैडमिंटन संघ का जिला महासचिव नियुक्त किया गया है। बॉल बैडमिंटन खेल , भारत सरकार के खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण , स्कूल खेलो, ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी एवं उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ, में मान्यता प्राप्त यह खेल अब मथुरा के युवाओं के लिए पेशेवर स्तर पर उपलब्ध होगा।

गौरतलब है कि रेलवे, बैंकिंग और विभिन्न सरकारी विभागों में खेल कोटे से नौकरियों के ढेरों अवसर प्रदान करने वाला यह लोकप्रिय खेल अब तक मथुरा में संस्थागत रूप से सक्रिय नहीं था। जिला बॉल बैडमिंटन संघ के गठन से स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का सीधा अवसर मिलेगा।

?महासचिव अरविंद चित्तौड़िया ने बताया दो प्रमुख स्थलों पर बनेंगी अकादमियां

?मथुरा के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देने के लिए ?पहली एकेडमी रियल इंटरनेशनल स्कूल, अड्डुकी में स्थापित की जाएगी। वही

?दूसरी एकेडमी अमरनाथ विद्या आश्रम के खेल मैदान पर बनाने का प्रस्ताव जिला संघ द्वारा प्रक्रियाधीन है।

?संगठन के गठन की आधिकारिक सूचना जिला ओलंपिक संघ के सचिव महेंद्र राजपूत को आधिकारिक पत्र के माध्यम से दे दी गई है। जिला ओलंपिक संघ ने संघ को आगामी दिनों के भीतर संबद्धता पत्र प्रदान करने का भरोसा दिया है।

?इसके साथ ही, जिला ओलंपिक संघ और जिला बॉल बैडमिंटन संघ के संयुक्त तत्वाधान में जल्द ही एक बॉल बैडमिंटन वर्कशॉप और डिस्ट्रिक्ट बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा।

यह प्रतियोगिता रियल इंटरनेशनल स्कूल या अमरनाथ विद्या आश्रम के प्रांगण में आयोजित की जाएगी।

?नवनिर्वाचित कार्यकारिणी समिति

?संघ के संचालन और खेल के विस्तार के लिए एक मजबूत और अनुभवी कार्यकारिणी का चयन किया गया है जिसमें ?अध्यक्ष पुनीत प्रजापति (चेयरमैन, रियल इंटरनेशनल स्कूल)

?जिला महासचिव- अरविंद चित्तौड़िया

उपाध्यक्ष- रवनीत मैसी, विनोद आर्य, ?कोषाध्यक्ष किशन सिंह? , सह सचिव प्रेमपाल, अर्जुन, सदस्य - अनुपम , शुभम सिंह, रोहित सिंह बनाए गए है जल्द ही अन्य सदस्यों को भी जिला कार्यकारिणी में जगह दी जाएगी।

?जिला बॉल बैडमिंटन संघ के इस कदम से ब्रज क्षेत्र के उभरते खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में उत्साह की लहर है।

संघ का प्राथमिक उद्देश्य मथुरा से प्रतिभावान खिलाड़ियों को तराशकर राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं तक पहुंचाना है।

संजा – मिट्टी की खुशबू का पर्व

हाँ, कच्ची दीवारों पर जब, संजा मुस्कुराती थी,
मिट्टी-गोबर-फूलों से बेटियाँ दुनिया सजाती थीं।
नन्ही-सी उँगलियों में पूरा फ्गाँवफ् उतर आता था,
हर दिन आकृति में मन का सपना मुस्काता था।
सहेलियाँ गीत सुनातीं, हँसी आँगन में गूँजती थी,
नानी-दादी फ्लोककथाओंफ् से शाम महकती थी।
संजा केवल चित्र नहीं, यह रिश्तों की पहचान थी,
बेटियों के कोमल मन में लोक संस्कृति जान थी।
सोलह दिन तक हर संध्या एक नया उत्सव होता,
मिट्टी के अदने आँगन में बड़ा-सा संसार संजोता।
फिर आती अमावस बेला, संजा फ्विदाफ् हो जाती,
जाते-2 घर-आँगन में यादों की खुशबू छोड़ जाती।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

बड़वा मंगल महोत्सव पर मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब, दंदरौआ धाम तक पैदल पहुंचे हजारों श्रद्धालु

पोरसा, जीएनएस।
बड़वा मंगल के पावन अवसर पर मंगलवार को पोरसा क्षेत्र में आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। क्षेत्र के विभिन्न हनुमान मंदिरों में सुबह से ही धार्मिक आयोजनों का सिलसिला शुरू हो गया। मंदिरों में भगवान हनुमान जी का विशेष श्रृंगार किया गया और दर्शन-पूजन के लिए दिनभर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।

बड़वा मंगल महोत्सव के अवसर पर कई मंदिरों में अखंड रामायण पाठ, सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा एवं विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा कर भगवान हनुमान जी के दर्शन किए और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मन्नत की अर्जी लगाई। मंदिर परिसर पूरे दिन जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से गूंजते रहे।

दंदरौआ धाम के लिए पैदल निकले श्रद्धालु
बड़वा मंगल के अवसर पर पोरसा ब्लॉक के श्रद्धालुओं में डॉ. हनुमान दंदरौआ धाम के प्रति विशेष आस्था देखने को मिली। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल यात्रा कर दंदरौआ धाम पहुंचे और भगवान हनुमान जी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

स्थानीय जानकारी के अनुसार, पोरसा ब्लॉक क्षेत्र से एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के दंदरौआ धाम पहुंचने का अनुमान बताया गया। श्रद्धालुओं के जत्थे विभिन्न मार्गों से पैदल दंदरौआ धाम की ओर जाते दिखाई दिए। कई श्रद्धालु परिवार सहित यात्रा पर निकले, वहीं युवाओं और महिलाओं की भी बड़ी संख्या रही।

मंदिरों में हुआ विशेष श्रृंगार: बड़वा मंगल को लेकर क्षेत्र के लगभग सभी प्रमुख हनुमान मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया। भगवान हनुमान जी का विशेष श्रृंगार कर उन्हें नए वस्त्र, फूल-मालाएं और विभिन्न प्रकार की सामग्री से सजाया गया। दर्शन के लिए पहुंचे भक्तों ने प्रसाद चढ़ाकर पूजा-अर्चना की।

कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और पेयजल की व्यवस्था भी की गई। धार्मिक आयोजनों के दौरान भजन-कीर्तन और सुंदरकांड के पाठ से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

दिनभर लगी रही श्रद्धालुओं की कतार
बड़वा मंगल के चलते मंदिरों में सुबह से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं का पहुंचना जारी रहा। भक्तों ने कतार में लगकर भगवान हनुमान जी के दर्शन किए। कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने पर हनुमान जी के दरबार में पहुंचे और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। बड़वा मंगल के अवसर पर पोरसा क्षेत्र में जगह-जगह आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अखंड रामायण, सुंदरकांड, भजन-कीर्तन और हनुमान जी के विशेष श्रृंगार के साथ श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ महोत्सव मनाया।

इस दौरान पोरसा से लेकर दंदरौआ धाम तक श्रद्धालुओं की आवाजाही से धार्मिक उत्सव का माहौल बना रहा। बड़वा मंगल महोत्सव ने क्षेत्र में धार्मिक आस्था, श्रद्धा और सामाजिक सहभागिता की तस्वीर प्रस्तुत की।

पड़ाव क्षेत्र में कमरे से लेपटॉप, मोबाइल व इयरवड्स चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को पुलिस ने चोरी के माल सहित किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह,भापुसे के निर्देश पर ग्वालियर जिले में चोरों, नकबजनों की धरपकड़ हेतु अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में अति0 पुलिस अधीक्षक शहर(मध्य/यातायात) श्री सुजावल जग्गा(भापुसे) द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में हुई चोरियों का खुलासा कर आरोपियों को पकड़ने हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय करने के निर्देश दिये गये। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में सीएसपी इन्दरगंज श्री रोबिन जैन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पड़ाव निरी0 शैलेन्द्र भार्गव ने थाना बल की टीम को थाना पड़ाव के अप0क्र0-270/26 धारा 331(4),305(ए) बीएनएस में चोरी गया माल मशरूका बरामद कर आरोपियों को पकड़ने हेतु लगाया गया। पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल के आसपास के सीसीटीव्ही फुटेज चेक किए जाकर संदिग्धों को चिन्हित कर उनकी पतारसी हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया।

दौराने विवेचना थाना पड़ाव पुलिस टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर से उक्त प्रकरण में दो संदेहियों को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उन्होने अपने नाम (1) रोहित उर्फ चमुना जाटव पुत्र संतराम जाटव उम्र 28 साल निवासी न्यू संजय नगर हजीरा हाल शिंदे की छावनी ग्वालियर, (2) दिनेश कुमार कोरी पुत्र मुन्नालाल कोरी उम्र 30 साल निवासी न्यू रेशम मील बिरला नगर हाल 08 नम्बर लाइन ग्वालियर का होना बताया। पकड़े गये दोनों संदेहियों से उक्त चोरी के संबंध में गहनता से पूछताछ करने पर उनके द्वारा चोरी की घटना कारित करना स्वीकार किया। पकड़े गये दोनों आरोपियों की निशादेही पर चोरी गया मशरूका एक एच.पी. कंपनी का सिल्वर रंग का लेपटॉप, एक वीवो कंपनी का मोबाइल व इयरवड्स कीमती लगभग 90 हजार रूपये को विधिवत जप्त किया गया। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को थाना पड़ाव के अपराध सदर में गिरफ्तार कर उनसे अन्य चोरियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

पुलिस द्वारा पकड़े गये शातिर नकबजनों में आरोपी रोहित उर्फ चमुना जाटव के खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में पूर्व से 43 अपराध पंजीबद्ध हैं, जिनमें थाना हजीरा 09, थाना कम्पू 08, थाना ठाठीपुर 04, थाना माधौगंज एवं क्राइम ब्रांच में 03-03 तथा थाना हजीरा, बहोड़ापुर, जनकगंज, झाँसीरोड़, विश्वविद्यालय में 02-02 प्रकरण पंजीबद्ध हैं एवं थाना डबरा, ग्वालियर, पड़ाव, पुरानी छावनी, सिरोल, गोला का मंदिर में 01-01 प्रकरण पंजीबद्ध हैं।

घटना का संक्षिप्त विवरण:- फरियादी वैभव शर्मा निवासी ग्राम सांकरा तहसील जौरा जिला मुरैना हाल गाँधीनगर पडाव ग्वालियर ने थाना पड़ाव में रिपोर्ट लेख कराई कि वह उसका बड़ा भाई और मामा का लडका तीनों दिनांक 20.09.2026 को रात में अपने रूम पर कमरे का गेट अटका कर सो गए थे। दिनांक 21.09.2026 को सुबह सोकर जगे तो देखा कि कमरे में रखा एक एच.पी. कंपनी का सिल्वर रंग का लेपटॉप, एक वीवो कंपनी का मोबाइल व इयरवड्स नहीं थे। जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना पड़ाव में अप0क्र0- 270/26 धारा 331(4),305(ए) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जप्त मशरूका:- एक एच.पी. कंपनी का सिल्वर रंग का लेपटॉप, एक वीवो कंपनी का मोबाइल व इयरवड्स कुल जप्त मशरूका कीमती लगभग 90 हजार रूपये।

11वाँ आयुर्वेद दिवस: पुरानी शिवपुरी स्थित जिला आयुर्वेद चिकित्सालय में आयोजित

शिवपुरी, जीएनएस।
11वें आयुर्वेद दिवस 23 सितम्बर 2026 के अवसर पर जिला आयुष विभाग शिवपुरी द्वारा संपूर्ण जिले में विभिन्न स्वास्थ्य एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में कार्यक्रम का मुख्य एवं केंद्रीय आयोजन पुरानी शिवपुरी स्थित शासकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय में भव्य रूप से संपन्न होगा।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. अनिल वर्मा ने बताया कि पुरानी शिवपुरी स्थित शासकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय में आयोजित होने वाले मुख्य शिविर का समय प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित किया गया है। शिविर के दौरान अनुभवी चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया जाएगा तथा विभिन्न रोगों की निःशुल्क जाँच एवं औषधियों का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही आयुर्वेद के दैनिक जीवन में महत्व और खान-पान के वैज्ञानिक पहलुओं पर व्याख्यान भी आयोजित किए जाएँगे। मुख्य कार्यक्रम के साथ-साथ जिले की समस्त आयुष स्वास्थ्य संस्थाओं और औषधालयों पर भी विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं जन-जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएँगे। इन शिविरों के माध्यम से आमजन को निःशुल्क परामर्श, चिकित्सा एवं आयुर्वेद जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जाएगा।

आमजन से लाभ उठाने की अपील: जिला आयुष विभाग शिवपुरी द्वारा नगर एवं जिले के समस्त नागरिकों, समाजसेवियों एवं प्रबुद्धजनों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इन शिविरों एवं मुख्य कार्यक्रम का लाभ उठाएँ और आयुर्वेद दिवस के इस आयोजन को सफल बनाएँ।

नगर परिषद दबोह में 'सेवा से संकल्प अभियान 2026' के तहत पीएम स्वनिधि ऋण वितरण शिविर 5 को

दबोह, जीएनएस।
मध्य प्रदेश सरकार के 'सेवा से संकल्प अभियान 2026' के अंतर्गत नगर परिषद दबोह, जिला भिंड द्वारा 'पीएम स्वनिधि योजना' के लाभार्थियों के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 17 सितंबर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक चलाया जा रहा है। नगर परिषद दबोह कार्यालय में 05 अक्टूबर 2026 सोमवार को सुबह 10ः00 बजे से %पीएम स्वनिधि ऋण वितरण हेतु विशेष शिविर% आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में पात्र स्ट्रीट वेंडरों और छोटे व्यापारियों को ऋण सहायता प्रदान की जाएगी पीएम स्वनिधि योजना के तहत ?10,000, ?25,000 एवं ?50,000 तक का ऋण प्राप्त करने के लिए आवेदन किया जा सकता है योजना का लाभ उठाने के इच्छुक आवेदक अपने आवेदन पत्र कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। दबोह नगर परिषद ने क्षेत्र के सभी पात्र पथ विक्रेताओं और छोटे कारोबारियों से अपील की है कि वे इस शिविर में पहुँचकर योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

ठाकुरश्री कौशल किशोर राम मन्दिर में धूमधाम से मनाया गया श्रीराधा अष्टमी एवं श्रीमद्भागवत जयंती महोत्सव

वृन्दावन, जीएनएस। बांके बिहारी कॉलोनी स्थित ठाकुरश्री कौशल किशोर राम मन्दिर में अखिल भारतीय श्रीराम मित्र मण्डल (रजि.) के द्वारा श्रीराधा अष्टमी महोत्सव एवं श्रीमद्भागवत जयंती महोत्सव महंत आचार्य रामदेव चतुर्वेदी के पावन सानिध्य में अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ मनाया गया।जिसके अंतर्गत महंत कुशदेव चतुर्वेदी के द्वारा श्रीराधा जन्म से संबंधित बधाईयों का संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन किया गया।साथ ही खेल-खिलौने, मेवा-मिष्ठान्न, रुपये-कपड़े एवं वर्तन आदि लुटाये गए।

इस अवसर पर आयोजित संत-विद्वत सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीराम मन्दिर के महंत आचार्य रामदेव चतुर्वेदी ने कहा कि रस साम्राज्ञी श्रीराधा रानी परब्रह्म परमात्मा श्रीकृष्ण की अचिंत शक्ति हैं।उनकी कृपा से ही कृष्ण-तत्व की प्राप्ति होती है।इसीलिए इनमें से किसी एक की उपासना से भी दोनों की प्राप्ति सुनिश्चित है।

प्रख्यात साहित्यकार ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि जगत जननी राधा को भगवान श्रीकृष्ण की स्वरूपभूता आल्हादिनी शक्ति माना गया है। ÷पद्मपुराण÷ में कहा गया है कि राधा, श्रीकृष्ण की आत्मा हैं। महर्षि वेदव्यास जी ने लिखा है कि श्रीकृष्ण आत्माराम हैं और उनकी आत्मा राधा हैं। महोत्सव में महामंडलेश्वर स्वामी सच्चिदानंद शास्त्री महाराज, सिंहपौर हनुमान मन्दिर के महंत सुन्दर दास महाराज, महंत जगन्नाथ दास शास्त्री महाराज, महंत रमणरेती दास, महंत प्रिया शरण महाराज, महंत संतोष पुजारी, श्रीमती कुंजलता चतुर्वेदी, आचार्य लवदेव चतुर्वेदी, श्रीमती प्रिया चतुर्वेदी, आध्यात्मिक पत्रकार डॉ. राधाकांत शर्मा, आचार्य भूति कृष्ण महाराज (श्रीशुकाचार्य पीठ), सूर्यांश देव चतुर्वेदी, शिवांश देव चतुर्वेदी आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।महोत्सव का समापन महंतों के सम्मान एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ।जिसमें असंख्य व्यक्तियों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

जनसुनवाई में सुधीर गुप्ता ने सुनी लोगों की समस्याएं

ग्वालियर। ग्वालियर विकास प्राधिकरण ऑफिस में वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता द्वारा जनसुनवाई में समस्याओं का निराकरण किया जनसेवा ही हमारा सर्वोपरि संकल्प है 40 प्रकरणों में 28 का निराकरण किया बाकी प्रकरणों में समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित प्रभावी एवं संतोषजनक निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जनसुनवाई में ग्वालियर विकास प्राधिकरण के संपदा अधिकारी विकास सिंह भदोरिया, श्री बृजेश शर्मा भूअर्जन अधिकारी ई.ई. देवेंद्र गुप्ता, ए. ई. इंजीनियर सुनील शुक्ला, अकाउंट ऑफिसर , तकनीक शाखा प्रभारी,वरिष्ठ लेखा अधिकारी, ऑफिस सुपरीटेंडेंट, प्रभारी भूखंड संदीप तिवारी प्रभारी भूखंड मनोज माथुर, अशोक इंग्ले सहित सेक्सन के विभाग प्रमुख एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे

कर्मचारियों और श्रमिकों को निर्धारित समय-सीमा में वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश

शिवपुरी, जीएनएस। श्रम विभाग द्वारा जिले में संचालित समस्त शासकीय कार्यालयों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों तथा श्रमिकों को निर्धारित समय-सीमा में वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। श्रम विभाग द्वारा सभी संबंधित कार्यालयों और प्रतिष्ठानों को वेतन भुगतान से संबंधित वैधानिक प्रावधानों का अनिवार्य रूप से पालन करने हेतु निर्देशित किया गया है। श्रम पदाधिकारी शिवपुरी श्री योगेश सिंघल ने बताया कि जिन प्रतिष्ठानों अथवा कार्यालयों में 1000 या उससे कम कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां प्रत्येक माह के वेतन का भुगतान आगामी माह की 7 तारीख से पूर्व किया जाना अनिवार्य है। इसी प्रकार, जिन प्रतिष्ठानों अथवा विभागों में 1000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां संबंधित माह का वेतन आगामी माह की 10 तारीख से पूर्व हर हाल में भुगतान करना होगा।

श्रम पदाधिकारी शिवपुरी श्री सिंघल ने बताया कि कर्मचारियों और श्रमिकों को समय पर वेतन मिलना उनके आर्थिक हितों और कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रम विभाग द्वारा वेतन भुगतान की प्रक्रिया की निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी श्रमिक को परेशानी का सामना न करना पड़े।

नियमों के उल्लंघन पर होगी कड़ी वैधानिक कार्रवाई

निर्धारित समय-सीमा का पालन न करने अथवा वेतन भुगतान में अनावश्यक देरी पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान या नियोजक के विरुद्ध प्रचलित श्रम कानूनों एवं नियमों के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी कर्मचारी अथवा श्रमिक को नियत समय-सीमा के भीतर वेतन का भुगतान प्राप्त नहीं होता है, तो वह अपनी शिकायत श्रम विभाग के हेल्पलाइन नंबर 1800-233-8888 पर दर्ज करा सकता है, जिस पर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

पीजी कॉलेज में जल संरक्षण जागरूकता एवं छात्र कल्याणकारी योजनाओं पर कार्यक्रम आयोजित

शिवपुरी, जीएनएस। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शिवपुरी में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत जल संरक्षण जागरूकता तथा शासकीय प्रोत्साहन एवं छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. पवन श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जल के विवेकपूर्ण उपयोग तथा शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को जल के महत्व तथा जल संरक्षण की आवश्यकता के संबंध में प्रेरित किया गया। प्राध्यापकों ने बताया कि जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। विद्यार्थियों से जल की बर्बादी रोकने, इसके विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा भविष्य के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने का आह्वान किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं जैसे इन्स्पायर अवॉर्ड, गांव की बेटी योजना, आवास सहायता योजना, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, नेशनल स्कॉलरशिप तथा विदेश अध्ययन हेतु शोध सहायता योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि पात्र विद्यार्थी इनका समय पर लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. पवन श्रीवास्तव, प्रो. डॉ. मंजू वर्मा, डॉ. गजेंद्र सक्सेना, प्रो. जमाल गुरसेल, प्रो. देवेंद्र सिंह आर्य, डॉ. निर्मल सिंह सेंगर, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. प्रतिभा, डॉ. मीनू, डॉ. साधना रघुवंशी तथा डॉ. मेघा मित्तल सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे। प्राध्यापकों द्वारा उद्बोधन के पश्चात कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित 45 छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय कर्तव्यों एवं शासन द्वारा स्थापित नियमों का निष्ठापूर्वक पालन करने की शपथ दिलाई गई। समाचार क्रमांक

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा: जिले से केवल रामेश्वरम के लिए 15 नवम्बर को जाएगी यात्रा

शिवपुरी, जीएनएस। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा के तहत वरिष्ठ नागरिकों को रामेश्वरम तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण ने बताया कि वर्तमान स्वीकृत शेड्यूल के अनुसार शिवपुरी जिले से आगामी समय में केवल एक ही तीर्थ दर्शन यात्रा नियत की गई है, जो 15 नवम्बर 2026 को रामेश्वरम धाम के लिए प्रस्थान करेगी। विगत दिनों विभिन्न स्थानीय समाचार पत्रों में शिवपुरी जिले से एकाधिक (एक से अधिक) तीर्थ यात्राएं संचालित होने के संबंध में समाचार प्रकाशित किए गए थे। इस भ्रामक और त्रुटिपूर्ण जानकारी के कारण आम नागरिकों और विशेषकर वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रियों के मध्य भ्रम व असमंजस की स्थिति निर्मित हो रही थी, जिसके बाद विभाग द्वारा वास्तविक स्थिति को स्पष्ट किया गया है। जिला शहरी विकास अभिकरण द्वारा स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में जिले के लिए केवल रामेश्वरम तीर्थ स्थल की यात्रा स्वीकृत है। यह यात्रा 15 नवम्बर 2026 को प्रस्थान करेगी। वर्तमान शेड्यूल में जिले से इसके अतिरिक्त अन्य कोई भी यात्रा प्रस्तावित या निर्धारित नहीं है। परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण शिवपुरी ने जिले के वरिष्ठ नागरिकों एवं पात्र हितग्राहियों से अपील की।

व्यापारी की दुकान में चोरी का 24 घंटे में खुलासा, पुलिस टीम का सम्मान

फिरोजाबाद। बजरिया क्षेत्र में किराना व्यापारी की दुकान में हुई चोरी का थाना दक्षिण पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए चोरी का शत-प्रतिशत माल बरामद कर लिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से खुश भारतीय उद्योग व्यापार मंडल महानगर के पदाधिकारियों ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों का सम्मान किया। शाम को गल्ला मंडी परिसर में पुलिस टीम का नागरिक अभिनंदन किया गया। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष प्रशांत माहेश्वरी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी आदित्य लांघे से मुलाकात की। इस दौरान व्यापारियों ने उन्हें माला पहनाकर, दुपट्टा ओढ़ाकर और प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया।

कहानी बदलाव की: पीएमएफएमई योजना से संवरा रानी देवी का भविष्य आटा चक्की व्यवसाय से हर माह 30 हजार रुपये तक आय

शिवपुरी, जीएनएस। शिवपुरी शहर के वैशाली गार्डन के पीछे, फतेहपुर गणेश कॉलोनी निवासी श्रीमती रानी देवी एक साधारण परिवार से आती हैं। योजना का लाभ मिलने से पूर्व उनके पास आय का कोई स्थायी या निश्चित साधन नहीं था। स्वयं का कोई स्वरोजगार शुरू करने के लिए वे लगातार प्रयासरत थीं, किंतु सीमित संसाधनों और पूंजी के अभाव में अपने सपनों को साकार करना एक बड़ी चुनौती बना हुआ था। श्रीमती रानी देवी के जीवन में

नया मोड़ तब आया, जब उन्हें उद्यानिकी विभाग के डीआरपी श्री गिर्राज ओझा के माध्यम से शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) की जानकारी मिली। योजना से प्रेरित होकर उन्होंने परी आटा चक्की के संचालन एवं विस्तार हेतु आवेदन किया। उद्यानिकी विभाग एवं बैंक के प्रशासनिक सहयोग से उन्हें 6 लाख रुपये का बैंक ऋण स्वीकृत हुआ, जिस पर शासन द्वारा 3 लाख 40 हजार रुपये की भारी-भरकम सब्सिडी (अनुदान) का संबल भी प्रदान किया गया।

व्यवसाय का विस्तार और आय में वृद्धि

प्राप्त वित्तीय सहायता और सब्सिडी के माध्यम से श्रीमती रानी देवी ने अपनी परी आटा चक्की को आधुनिक उपकरणों और संसाधनों से सुसज्जित कर नए सिरे से स्थापित किया। गुणवत्तापूर्ण प्रसंस्करण और बेहतर प्रबंधन के कारण उनके व्यवसाय ने तेजी से रफ्तार पकड़ी। जिस परिवार के पास पहले नियमित आय का कोई जरिया नहीं था, आज उसी व्यवसाय से श्रीमती रानी देवी को प्रतिमाह 25 हजार से 30 हजार रुपये की शानदार शुद्ध आय प्राप्त हो रही है, जिससे उनके परिवार का आर्थिक स्तर काफी मजबूत हुआ है। श्रीमती रानी देवी न केवल स्वयं एक सफल और स्वावलंबी महिला उद्यमी बनकर उभरी हैं, बल्कि उन्होंने सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए अपने प्रतिष्ठान में 2 अन्य स्थानीय युवाओं को भी स्थायी रोजगार प्रदान किया है। एक गृहिणी से सफल व्यवसायी बनने का उनका यह सफर शिवपुरी जिले की अन्य महिलाओं और युवाओं के लिए स्वरोजगार अपनाने की एक बेहतरीन प्रेरणा बन गया है।

जताया आभार

श्रीमती रानी देवी ने पीएमएफएमई योजना को छोटे एवं सूक्ष्म उद्यमियों के लिए अत्यंत कल्याणकारी और वरदान स्वरूप बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एवं जिला प्रशासन के सहयोग से आज वे आत्मनिर्भर बनी हैं और अपने परिवार को बेहतर जीवन दे पा रही हैं। इस अभूतपूर्व सहयोग के लिए उन्होंने केन्द्र सरकार के प्रति सहृदय धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है।

'मेरे सपनों का भारत' विषय पर सांदीपनि कन्या विद्यालय में लगी चित्र प्रदर्शनी, निजी और शासकीय स्कूलों में भी प्रतियोगिताएं

रंगों और विचारों से बच्चों ने उकेरी विकसित भारत की तस्वीर

ग्वालियर जीएनएस

'सेवा-संकल्प अभियान' के तहत जिले के शासकीय और निजी विद्यालयों में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में शासकीय सांदीपनि कन्या विद्यालय ग्वालियर में 'मेरे सपनों का भारत-सेवा चित्र प्रदर्शनी' लगाई गई। इसमें छात्राओं ने रंगों और अपनी कल्पनाओं के माध्यम से विकसित भारत की तस्वीर को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी देखने के लिए छात्राओं के पालकों को भी आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर पालक-शिक्षक संघ की बैठक आयोजित कर पालकों को 'सेवा-संकल्प अभियान' के उद्देश्य और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। विद्यालय में आयोजित चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं के विजेता छात्राओं को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

भाषण प्रतियोगिता में काव्या सिंह ने प्रथम, छवि जैन ने द्वितीय तथा निशा राठौर और गुड्डी पाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में आयुषी सेन प्रथम, कृतिका माहौर द्वितीय और दिशा राजोरिया तृतीय रहीं। प्रतियोगिताओं में शामिल सभी छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

विद्यालय की प्राचार्य मनोरमा नायक ने कहा कि 'सेवा-संकल्प अभियान' सेवा, सुशासन और समृद्ध भारत की नई संकल्पना है। यह विद्यार्थियों को नए सपनों के साथ नए भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित करता है।

निजी स्कूलों में भी दिखे बच्चों के सपने : अभियान के तहत न्यूटेरिक वर्ल्ड स्कूल, द ऑर्चिड हायर सेकेण्ड्री स्कूल, ग्वालियर ग्लोरी स्कूल, सेंट्रल एकेडमी हायर सेकेण्ड्री स्कूल, माउण्ट लिटेरा स्कूल, प्रगति विद्या पीठ, मॉडल करेला और मॉर्निंग स्टार स्कूल सहित अन्य निजी विद्यालयों में भी चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं हुईं। विद्यार्थियों ने चित्रों और विचारों के माध्यम से विकसित भारत को लेकर अपनी कल्पनाएं प्रस्तुत कीं।

शासकीय स्कूलों में भी रचनात्मक अभिव्यक्ति : अभियान के तहत सांदीपनि स्कूल कुलैथ, शासकीय उमावि करियावटी डबरा, शासकीय उमावि महाराजपुरा, शासकीय उमावि अवाड़पुरा, शासकीय उमावि केरूआ भितरवार और शासकीय उमावि पिछोर सहित अन्य विद्यालयों में भी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विकसित और समृद्ध भारत के अपने सपनों को चित्रों और भाषणों के माध्यम से अभिव्यक्त किया।

भितरवार के ग्राम सिला में 36 पाव देसी मदिरा जब्त, वायरल वीडियो के बाद पहुंची टीम

अवैध शराब बिक्री पर आबकारी विभाग की कार्रवाई, दो पर केस

ग्वालियर जीएनएस

अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री, संग्रह और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने भितरवार क्षेत्र के ग्राम सिला में कार्रवाई की। विभाग की टीम ने दो अलग-अलग प्रकरणों में कुल 36 पाव देसी मदिरा प्लेन जब्त की। दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान के आदेशानुसार, आबकारी उपायुक्त संदीप शर्मा के निर्देशन और सहायक आबकारी आयुक्त, जिला ग्वालियर राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। ग्राम सिला में अवैध मदिरा बिक्री से संबंधित वायरल वीडियो सामने आने के बाद आबकारी विभाग ने तत्काल संज्ञान लिया। टीम ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र का निरीक्षण किया और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाने के बाद संदिग्ध परिसरों की जांच व तलाशी ली।

जांच के दौरान ग्राम सिला में कमल बाथम के आधिपत्य से 15 पाव देसी मदिरा प्लेन बरामद हुई। इसे जब्त कर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। इसी तरह तारा सिंह के आधिपत्य से 21 पाव देसी मदिरा प्लेन बरामद हुई। उसे भी जब्त कर संबंधित के खिलाफ धारा 34(1) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

दोनों मामलों में जब्त मदिरा के पृथक-पृथक प्रतिनिधि नमूने मौके पर नियमानुसार लिए गए। नमूनों को सीलबंद कर गुणवत्ता एवं प्रकृति की जांच के लिए क्षेत्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया है। शेष जब्त मदिरा को भी सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है।

आबकारी विभाग के अनुसार ग्राम सिला सहित संबंधित क्षेत्र में अवैध मदिरा के निर्माण और बिक्री पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कार्रवाई आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेश तिवारी के निर्देशन में आबकारी स्टाफ के सहयोग से की गई। विभाग ने कहा है कि अवैध मदिरा के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

रामदास घाटी पार्क में चला विशेष सफाई अभियान

ग्वालियर जीएनएस

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत नगर निगम ग्वालियर एवं सहयोगी संस्था डिवाइन की ओर से वार्ड क्रमांक 33, जोन क्रमांक 07 स्थित रामदास घाटी पार्क में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार आयोजित अभियान में डिवाइन वेस्ट मैनेजमेंट की टीम के साथ स्थानीय नागरिकों ने भी सहभागिता की। अभियान के दौरान पार्क परिसर की गहन साफ-सफाई की गई और स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इस दौरान नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कचरा निर्धारित स्थान पर डालने, गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग देने तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने की अपील की गई।

मोहना में निकली ठाकुर जी की भव्य शोभायात्रा

मोहना जीएनएस

डोल ग्यारस के पावन पर्व पर नगर परिषद मोहना में भगवान ठाकुर जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा प्राचीन राधा-कृष्ण मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार, बस स्टैंड चौराहा और पाटई तिराहा होते हुए महुअर नदी पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने भगवान ठाकुर जी महाराज का स्नान कराया और आरती कर प्रसाद वितरित किया। इसके बाद प्राचीन कंपू वाले हनुमान मंदिर पर महिला मंडल द्वारा ठाकुर जी के रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। मध्य रात्रि तक भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा। इसके बाद उपाध्याय मैरिज गार्डन में राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित सतीश कौशिक के मुखारविंद से भजन संध्या का आयोजन किया गया। शाम 7 बजे शुरू हुआ कार्यक्रम हरि इच्छा तक चला। ठाकुर जी महाराज और राधा रानी के जयकारों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। शोभायात्रा का मुख्य बाजार में जगह-जगह स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का अभिनंदन किया तथा जलपान की व्यवस्था भी की। मिश्रा मार्केट पर विधायक प्रतिनिधि की ओर से पुष्प वर्षा, पानी की बोतल और पानी के पाउच की व्यवस्था कर ठाकुर जी की पूजा-अर्चना के साथ शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

एसएसपी ने सोशल मीडिया गाइडलाइन की बैठक में गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने के दिए निर्देश

वर्दी में रील-फोटो पोस्ट करने से बचें पुलिसकर्मी

ग्वालियर जीएनएस

पुलिस मुख्यालय भोपाल की ओर से पुलिसकर्मियों के लिए जारी सोशल मीडिया गाइडलाइन के पालन को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक ली। बैठक में सोशल मीडिया के सुरक्षित, जिम्मेदार और अनुशासित उपयोग को लेकर पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पुलिसकर्मी वर्दी में रील, फोटो अथवा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से बचें। पुलिस की कार्यप्रणाली, फील्ड क्राफ्ट, विवेचना तकनीक या संवेदनशील जांच से संबंधित जानकारी भी सार्वजनिक नहीं की जाए। किसी भी प्रकार की गोपनीय अथवा विभागीय संवेदनशील जानकारी सोशल मीडिया, चैटजीपीटी या अन्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मंचों पर

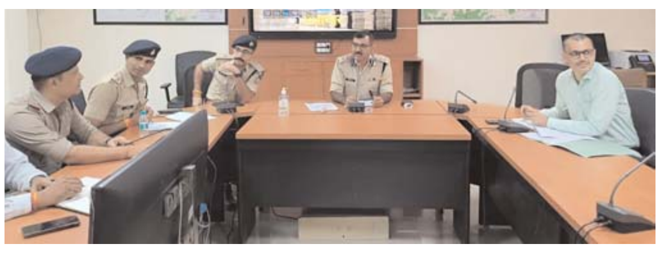

अपलोड अथवा साझा नहीं करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में पुलिसकर्मियों को निजी प्रचार या व्यक्तिगत छवि निर्माण के लिए सरकारी वाहन, कार्यालय, आवास अथवा अन्य शासकीय संसाधनों का उपयोग नहीं करने की हिदायत दी गई। शासन की नीतियों और विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर अनधिकृत टिप्पणी से बचने तथा वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों के संबंध में पुलिस पद की गरिमा के अनुरूप आचरण करने को कहा गया। एसएसपी ने कहा कि सोशल मीडिया पर कोई सामग्री पोस्ट या साझा करने से पहले उसकी गोपनीयता, सत्यता और संभावित प्रभाव का ध्यान रखा जाए। पुलिस विभाग की गरिमा और अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा आधिकारिक जानकारी का प्रसारण केवल अधिकृत माध्यम से करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा, रक्षित निरीक्षक रणजीत सिंह सिकरवार सहित सोशल मीडिया पर सक्रिय पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य सोशल मीडिया के माध्यम से गोपनीय, संवेदनशील, अपुष्ट या अनधिकृत जानकारी के प्रसार को रोकना और पुलिसकर्मियों में जवाबदेही एवं अनुशासन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।